दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 238 | भोपाल, शुक्रवार 12 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

संक्षिप्त खबरें

कैलाश मानसरोवर से लौट रहे अयोध्या के 8 श्रद्धालु नेपाल में फंसे

अयोध्या एजेंसी। कैलाश मानसरोवर से दर्शन कर लौटते समय नेपाल-चीन सीमा पर स्थित हिल्सा बॉर्डर (नेपाल) में अयोध्या के आठ श्रद्धालु फंसे हुए हैं। नेपाल में जारी तनाव के कारण वे भारत लौटने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखकर गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। विधायक सिंह ने अपने पत्र में भारत सरकार से अपील की है कि नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से भारत लाने के लिए जरुर कदम उठाए। उन्होंने संबंधित मंत्रालयों और अधिकारियों को निर्देशित करने की भी मांग की है। वहीं, दूसरी ओर समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने भी मुद्दे को गंभीरता से लेकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। सांसद प्रसाद ने भरोसा दिलाया कि वे खुद गृह मंत्रालय से बातचीत कर श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी के प्रयास करुंगा। गोसाईगंज निवासी कुछ लोग नेपाल बॉर्डर पर फंसे हुए हैं।

ट्रम्प समर्थक चार्ली कर्क की हत्या, गर्दन पर गोली मारी

यूटा एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक और राइट विंग एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की गुरुवार को एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना यूटा राज्य की यूटा वैली यूनिवर्सिटी में हुई। चार्ली यहां द अमेरिकन कमबैक टूर प्रोग्राम में आए थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि चार्ली एक टेंट के नीचे माइक पकड़कर बोल रहे हैं। तभी अचानक एक गोली उनके गर्दन के पास आकर लगती है, काफी खून बहता है और वे जमीन पर गिर जाते हैं। ट्रम्प ने ऐलान किया है कि वो चार्ली कर्क को मरणोपरांत अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम देंगे। चार्ली की हत्या पर ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, सच्चे महान अमेरिकी देशभक्त चार्ली कर्क के सम्मान में, मैं पूरे अमेरिका में सभी झंडों को रविवार शाम 6 बजे तक आधा झुकाने का आदेश दे रहा हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के प्रतिभाशाली 7832 विद्यार्थियों को वितरित की स्कूटी

प्रदेश के विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और योग्यता करें स्थापित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- राज्य सरकार विद्यार्थियों को हरसंभव प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए तत्पर
- मुख्यमंत्री ने सेनिटेशन एवं हाइजीन के लिए 20 लाख से अधिक बालिकाओं को 61.12 करोड़ से अधिक राशि सिंगल क्लिक से की अंतरित

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बच्चों के लिए बेहतर भविष्य का अवसर है।

प्रदेश के विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, साइकिल, कॉपी-किताबें सहित अनेक सौगातें मिल रही हैं। इसी क्रम में आज स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से 12वीं बोर्ड परीक्षा में स्कूल के टॉपर रहे 7 हजार 832 बच्चों को स्कूटी दी गई है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप प्रतिभावान विद्यार्थियों को गति से आगे बढ़ने के लिए उपलब्ध कराया गया साधन है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम स्कूटी से आगे बढ़ इन विद्यार्थियों को मंत्री और अधिकारी के रूप में देश-प्रदेश की व्यवस्थाओं का संचालन कर, जनसामान्य का कल्याण और सेवा करते हुए देखना चाहते हैं। मुख्यमंत्री गुरूवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्कूटी वितरण और 20 लाख से अधिक बालिकाओं को सैनिटेशन एवं हाइजीन के लिए 61 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिसर में स्कूटी प्राप्त करने वाली छात्रा कु. हर्षिता के साथ स्कूटी की सवारी की और उपस्थित विद्यार्थियों का अभिवादन कर उनसे संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ हितग्राही विद्यार्थियों ने समूह चित्र भी खिचवाया।

विश्व के बड़े से बड़े मंच की गरिमा प्रधानमंत्री की मौजूदगी से ही होती है पूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में विश्व में भारत का समय चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए संकल्पित हैं। भारतीयों ने ऐतिहासिक रूप से हर मुश्किल परिस्थिति में अपनी क्षमता और योग्यता के आधार पर दुनिया में पहचान बनाई है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। ब्रिटिश राज के दौरान उन्होंने अपनी योग्यता के बल पर भारतीयता की श्रेष्ठता विश्व में स्थापित की। आज भारत में लोकतंत्र की सबसे अच्छी खूबसूरती है कि यहां सामान्यजन भी देश और राज्य का सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी इसके श्रेष्ठतम उदाहरण है। वर्तमान में विश्व के बड़े से बड़े मंच की गरिमा प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी से ही पूर्ण होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते दौर में भारत, विश्व में नई तकनीकें अपनाने में अग्रणी है। दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। आज भारत अंतरिक्ष विज्ञान सहित सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देश में हो रहे नवाचारों, खोजों और वैज्ञानिक प्रयासों को हर परिस्थिति में प्रोत्साहित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को स्वयं पर विश्वास रखने और उन्नति के लिए निरंतर प्रयत्नशील और संघर्षशील बने रहने के लिए प्रेरित किया।

शासकीय स्कूलों की स्थिति में हो रहा है निरंतर सुधार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शासकीय स्कूलों की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। राज्य सरकार बच्चों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्हें श्रेष्ठतम शैक्षणिक सुविधाएं और अनुभव देने के उद्देश्य से ही प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना हो रही है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में सड़कों का जाल बिछाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर कार्य हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान और इजराइल द्वारा प्रस्तुत राष्ट्र निर्माण का उदाहरण, युवाओं के लिए अनुकरणीय है। राज्य सरकार मध्यप्रदेश में सिंचाई क्षेत्र को विस्तार देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, इसी का परिणाम है कि प्रदेश का सिंचित रकबा 52 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। विश्व का पहला नदी जोड़ो अभियान केन बेतवा लिंक परियोजना भी प्रदेश की धरती पर शुरू हुई है, इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रखी थी।

सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत को खारिज किया है, इसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी नागरिकता प्राप्त करने से पहले उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हुआ था। मामले में एक वकील द्वारा दायर याचिका को कोर्ट ने अस्वीकार किया, जिसमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता वकील ने दावा किया कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्राप्त की, लेकिन उनके नाम को 1980 की दिल्ली मतदाता सूची में शामिल था। याचिका में इस बात पर सवाल उठाया गया था कि जब सोनिया गांधी इटली

की नागरिक थीं, तब उनका नाम 1980 में मतदाता सूची में कैसे शामिल हुआ। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटाया गया, लेकिन इसके पीछे का कारण भी स्पष्ट नहीं है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी का नाम नागरिकता प्राप्त करने से पहले मतदाता सूची में शामिल करना एक गंभीर अनियमितता और संभावित जालसाजी का मामला है।

छत्तीसगढ़ मुठभेड़: 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर, दोनों तरफ से फायरिंग

एजेंसी | गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जो अभी भी जारी है। इसमें 1 करोड़ के इनामी नक्सली मोडेम बालकृष्ण समेत 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। एसपी निखिल राखेचा ने मैनपुर के जंगलों में मुठभेड़ की पुष्टि की है।

रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा ने बताया कि मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाकर्मी नक्सल विरोधी अभियान पर थे, तभी उनका सामना नक्सलियों से हो गया और दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि एसटीएफ, कोबरा (सीआरपीएफ की कमांडो

बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) और राज्य पुलिस के जवान इस अभियान में शामिल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, कम से कम 10 नक्सलियों को मार गिराया गया है। गोलीबारी अभी भी जारी है। आईजी अमरेश मिश्रा ने बताया कि जंगल में नक्सलियों के शव पड़े हुए हैं। आईईडी लगे होने का भी खतरा है। रात में सर्च ऑपरेशन नहीं किया जा सकता। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में इसी साल 24 जनवरी को करीब 80 घंटे तक चले इस ऑपरेशन में 16 नक्सली मारे गए थे। इनमें से 12 नक्सलियों पर कुल 3 करोड़ 16 लाख रुपए का इनाम घोषित था। मारे गए नक्सलियों में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी का मेंबर चलपति भी था। चलपति पर ही 90 लाख का इनाम था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

फर्जी दस्तावेज से लाभ न मिले तो धोखाधड़ी नहीं मानी जाएगी

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल करता है, लेकिन उससे उसे कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिलता, तो उस पर धोखाधड़ी का अपराध (आईपीसी की धारा 420) साबित नहीं होगा। यह फैसला बुधवार को उस मामले में आया, जिसमें एक शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख पर अग्निशमन विभाग का फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दाखिल कर कॉलेज को एफिलिएशन दिलाने का आरोप था। जिला अग्निशमन अधिकारी की शिकायत पर उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय भवन संहिता, 2016 के अनुसार, 15 मीटर से कम ऊंचाई वाले शैक्षणिक भवनों के लिए फायर एनओसी की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है। अपीलकर्ता का कॉलेज 14.20 मीटर ऊंचाई की इमारत में चल रहा था।

भारत-नेपाल सीमा पर घुसपैठ रोकने एसएसबी के 60 हजार जवान तैनात

एजेंसी | नई दिल्ली

नेपाल में भड़की हिंसा और अराजकता का असर अब भारत-नेपाल सीमा पर साफ देखने को मिल रहा है। घुसपैठियों से सीमा की सुरक्षा को लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाते हुए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 50 बटालियन यानी करीब 60 हजार जवानों को उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और सिक्किम से लगती सीमा पर मुस्तैद कर दिया है। इनका मकसद किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और नेपाल से जेल तोड़कर भागे कैदियों की घुसपैठ को रोकना भारत आने वाले खासतौर पर भारतीय नागरिकों को हर संभव मदद देना है। नेपाल में हालात इतने बिगड़े हैं कि 24 जेलों को तोड़कर 15 हजार से ज्यादा कैदी फरार हो चुके हैं। इनमें से कई कैदी भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। एसएसबी अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए कैदियों को स्थानीय पुलिस को सौंपा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। सूत्रों का कहना है कि नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों ने भारत को अलर्ट किया है कि जेल से भागे अपराधियों में से कई भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर सकते हैं।

मानसून ट्रफ एक्टिव लेकिन मध्यप्रदेश से दूर; नए सिस्टम तक हल्की बारिश का दौर

मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर-बालाघाट में हैवी रेन का अलर्ट

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में इस मानसूनी सीजन में सामान्य से 10 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है, लेकिन अभी भी 20 से ज्यादा जिलों में कोटा पूरा नहीं हुआ है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में हाल बुरे हैं। 15 में से 5 जिले खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, शाजापुर और बड़वानी में 27 इंच पानी भी नहीं गिरा है।

हालांकि, सितंबर के दूसरे पखवाड़े में यहां भारी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में एक मानसून ट्रफ, डिप्रेशन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है, लेकिन ये प्रदेश से दूर है। इस वजह से कुछ जिलों में ही बारिश हो रही है। बाकी में सूखा है।

भोपाल, डिंडौरी समेत 10 जिलों में गिरा पानी

बुधवार को भी भोपाल समेत 10 से ज्यादा जिलों में रिमझिम बारिश दर्ज की गई। डिंडौरी में झमाझम बारिश हुई। नर्मदापुरम में बारिश का दौर होने से तवा डैम फिर से छलक उठा। बालाघाट के मलाजखंड में पौन इंच से ज्यादा बारिश हुई तो छिंदवाड़ा में आधा इंच पानी गिर गया। भोपाल, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, खजुराहो, सीधी में भी हल्की बारिश हुई।

नर्मदापुरम-मंडला में आधा इंच पानी गिरा

मध्यप्रदेश में गुरुवार को चार जिलों में बारिश दर्ज की गई। बालाघाट के मलाजखंड में एक इंच पानी गिर गया। वहीं, नर्मदापुरम और मंडला में आधा-आधा इंच बारिश हुई। नरसिंहपुर में बूंदाबांदी का दौर जारी रहा।

ऐश्वर्या राय को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत, उनके नाम और फोटो के गलत इस्तेमाल पर लगाई रोक

नई दिल्ली एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने उनके नाम, फोटो और पहचान के अनधिकृत उपयोग पर रोक लगाते हुए कई संस्थाओं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को सख्त निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस तेजस करिया की एकल पीठ ने कहा, कि ऐश्वर्या राय के नाम और छवि का बिना अनुमति इस्तेमाल उनकी निजता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है।

सरकार से 5 दिन में स्टेटस रिपोर्ट मांगी

इंदौर एमवाई अस्पताल में नवजातों की मौत पर हाईकोर्ट नाराज

नगर प्रतिनिधि | इंदौर

एमवाय अस्पताल में चूहों के कुतरने से हुई दो नवजातों की मौत को हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। 15 दिन बाद भी कठोर कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट ने सरकार को नोटिस दिया है। पूरे मामले की स्टेटस रिपोर्ट 15 सितंबर तक मांगी है। इस नोटिस के बाद अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव खुद को बीमार बताते हुए 11 से 25 सितंबर तक छुट्टी पर चले गए।

न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति जेके पिल्लई की युगल पीठ ने इस मामले को

नवजातों के मौलिक अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा मानते हुए स्वत: संज्ञान लिया। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि सफाई और पेस्ट कंट्रोल करने वाली निजी कंपनी एजाइल सिक्योरिटी के खिलाफ ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, जबकि उसकी लापरवाही से यह दर्दनाक हादसा हुआ। हाईकोर्ट का रुख देखते हुए प्रमुख सचिव (लोक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) ने एजाइल कंपनी को हटाने के निर्देश दे दिए। पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. बृजेश लाहोटी को पद से हटा दिया। प्रभारी एचओडी डॉ. मनोज जोशी को सस्पेंड कर दिया है।

नेपाल में प्रदर्शन | नेपाल में अंतरिम पीएम के नाम को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है

अंतरिम पीएम के लिए Gen-Z प्रदर्शनकारियों में झड़प: एक गुट बोला- सुशीला कार्की भारत समर्थक, हमें मंजूर नहीं, बालेन शाह का समर्थन किया

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल में अंतरिम पीएम के नाम को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। गुरुवार को इसे लेकर Gen-Z दो ग्रुप में बंट गया। इसके बाद सेना मुख्यालय के बाहर दोनों गुटों में हाथापाई हो गई। इसमें कई युवक घायल हो गए।

प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने अंतरिम पीएम के लिए सुशीला कार्की के नाम को खारिज कर दिया है। गुट का आरोप है कि सुशीला कार्की भारत समर्थक हैं और उन्हें यह स्वीकार नहीं हैं। गुट मांग कर रहा है कि काठमांडू मेयर बालेन शाह पीएम बने। अगर बालेन नहीं बनते हैं तो धरान मेयर

हरका सम्पांग उनके पीएम उम्मीदवार होंगे।

पीएम के नाम को लेकर सेना मुख्यालय में 2 दिन से प्रदर्शनकारी गुटों के साथ बातचीत चल रही है। एक गुट बातचीत को सेना मुख्यालय की जगह राष्ट्रपति भवन में करने की मांग कर रहा है। नेपाल के काठमांडू में तख्तापलट के दो दिन बाद गुरुवार को Gen-Z नेता सामने आए। अनिल बनिया और दिवाकर दंगल ने कहा कि युवाओं ने यह विरोध-प्रदर्शन बुजुर्ग नेताओं से तंग आकर किया है। हमारा मकसद संविधान नहीं, संसद भंग करना है।

सीमा पर 3 दिन बाद ऑयल ट्रकों की आवाजाही शुरू

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत और नेपाल बॉर्डर से तीन दिनों बाद पहला ट्रक गुजरा। अभी सिर्फ ऑयल टैंकरों को ही नेपाल जाने की इजाजत दी जा रही है। नेपाल में चल रहे प्रदर्शनों और अशांति की वजह से सीमा पर हालात नाजुक हैं। पिछले तीन दिनों से ट्रक सीमा पर फंसे हुए थे।

दरअसल, हिंसक प्रदर्शनों की वजह से नेपाल में तेल की बहुत कमी हो गई थी, इसलिए इन तेल टैंकरों को छोड़ा गया है। नेपाल पुलिस और आर्मी सीमा के दूसरी तरफ तैनात हैं। उनकी मौजूदगी से स्थिति कुछ हद तक काबू में आई है।

पूर्व राष्ट्रपति बोलीं- आंदोलन के हिंसक होने की जांच हो

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि नई सरकार जल्द से जल्द संविधान के नियमों के तहत बनानी चाहिए। भंडारी ने कहा कि राष्ट्रपति और चुनी हुई संस्थाएं अभी भी काम कर रही हैं, इसलिए नई सरकार बनाने का काम संविधान और Gen Z प्रदर्शनकारियों की मांगों व भावनाओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए। भंडारी ने मांग की कि प्रदर्शन के हिंसक होने और इतने बड़े नुकसान की वजहों की गहन जांच होनी चाहिए।

संपादकीय

सड़क पर उतरे युवा, हिंसक प्रदर्शन

36 घंटे में ही नेपाल का तख्ता पलट कर दिया। नेपाल में सड़कों पर उतरा युवाओं का गुस्सा अचानक आई प्रतिक्रिया नहीं और न ही सरकार के किसी एक फैसले से उपजा आक्रोश है। यह लंबे वक्त की हताशा है, जो सब्र का बांध टूटने के बाद जाहिर हो रही। नेपाल सरकार को सख्ती के बजाय समस्या की जड़ को समझना चाहिए और युवाओं से बातचीत कर रास्ता निकालने की कोशिश होनी चाहिए। पूर्व पीएम की पत्नी को भी जला दिया गया है। नेपाल सरकार ने स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराने के कारण बीते हफ्ते 26 सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर बैन लगा दिया। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (पूर्व में ट्विटर), वट्सऐप जैसे बड़े प्लैटफॉर्म भी हैं। सरकार भले सुप्रीम कोर्ट के आदेश और नियमों का हवाला दे रही हो, लेकिन उसके इस कदम ने जनता खासकर युवाओं में दबे आक्रोश को उभार दिया। युवा वर्ग का कहना है कि यह प्रतिबंध सीधे उनके काम और अभिव्यक्ति पर है।जो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म अभी उपलब्ध हैं, उन्हीं के जरिये युवा एक-दूसरे से जुड़े और इस आंदोलन को खड़ा किया। इस दौरान नेपो बेबी ट्रेंड करना बताता है कि भाई-भतीजावाद और करप्शन से लोग किस कदर परेशान हैं। इस साल की शुरुआत में भी ऐसा ही एक आंदोलन हो चुका है, जब देशभर में मांग उठी कि राजशाही की वापसी हो। उस समय भी जनता ने भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा जताया था।नेपाल के अंदरूनी हालात लंबे समय से नाजुक बने हुए हैं। यह देश राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी और दूसरे मुद्दों से जूझ रहा है। विडंबना है कि 2008 में इन्हीं सब मुद्दों को लेकर व्यापक जन आंदोलन छिड़ा था, जिसने राजशाही का अंत कर गणतांत्रिक व्यवस्था कायम की। लेकिन, दो दशक भी नहीं बीते और उस सिस्टम से जनता का मोहभंग हो चुका है। चुने हुए नेताओं ने लोगों को किस कदर निराश किया है, समझने के लिए यह बताना काफी है कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। और, पूर्व प्रधानमंत्रियों शेर बहादुर देउबा से लेकर बाबूराम भट्टराई, प्रचंड और मौजूदा पीएम केपी शर्मा ओली तक - तमाम राजनेता किसी न किसी तरह के करप्शन के आरोपों का सामना कर रहे हैं।नेपाल की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन और प्रवासी नागरिकों की ओर से भेजी गई रकम पर निर्भर है, पर हाल में दोनों में कमी आई है। युवाओं में बेरोजगारी दर 19.2प्रतिशत है और 82प्रतिशत आबादी इनफार्मर एम्पालाईमेंट में है। देश की तष्ठक्कमें मामूली तेजी का अनुमान है, लेकिन सरकार युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में नाकाम रही है। युवाओं को कोरे वादे नहीं, बदलाव चाहिए।

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है।

पंचग्रास में समाहित है संपूर्ण चराचर जगत का कल्याण

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है।

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है। पितृपक्ष और मातृपक्ष दोनों ही पीढ़ियों के स्मरण और श्रद्धा या यों कहे कि श्राद्ध स्वरुप भोजन, वस्त्र, जल आदि आदि पत्र पुष्प के माध्यम से सम्मान स्वरुप स्मरण किया जाता है। श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुड़ी पंच ग्रास की परंपरा को आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं। ब्राह्मण भोजन को ढकोसला कह कर समझने वालों को श्राद्ध के मूल की सभी विधानों को समझना होगा। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि पंच ग्रास से अर्थ मात्र औपचारिकता से नहीं लिया जाना चाहिए।

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है। देव ऋण में सृष्टि के नियंता का स्मरण और उसके प्रति आभार प्रकट करना है। इसके लिए भजन-पूजन, स्मरण, सदाचरण आदि की बात है। जो अपने आप को नास्तिक कहते हैं और किसी शक्ति में विश्वास नहीं करते तो भी उन्हें प्रकृति पर तो विश्वास करना ही होगा। प्रकृति को विकृति से बचाना हमारी जिम्मेदारी होती है और प्रकृति व मानवमात्र के कल्याण की बात करना ही देव ऋण से उऋण होने का एक तरीका है। इसी तरह से हमको शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु परंपरा का मान सम्मान और ज्ञान की इस परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना ही गुरु ऋण से उऋण होने का एक तरीका हो सकता है। जहां तक पितृ ऋण से उऋण होने का प्रश्न है तो इससे उऋण होने का भी आसान रास्ता बताया गया है और वह बच्चे होते ही पूरी होना शुरु हो जाती है और इन बच्चों की शिक्षा और संस्कारित करना और शादी विवाह आदि जिम्मेदारियों का निर्वहन तो आता ही है। यही कारण है कि पौत्र-प्रपौत्र या नाती-नातियों को देखना और पौत्र होने पर सोने की सीढ़ी चढ़ना आदि इसी और इषारा करता है कि हमारे कुल परंपरा में पूर्वजों के श्राद्ध यानी स्मरण करने वाली पीढ़ी हो गई है। कभी मृत्यु के बाद बारह दिन के संस्कारों को देखने का अवसर मिले या फिर

बारहवें दिन की सपीण्डी क्रिया देखने को मिले तो कई बातें साफ हो जाती है। सपीण्डी में तीन पितृ पक्ष और तीन मातृ पक्ष के पूर्वजों के स्मरण, पूजा आदि के बाद जब सभी को एकाकार कर दिया जाता है तो उसे सपीण्डी कहा जाता है। हमारी परंपरा यहां तक ही सीमित नहीं रहती। विधान तो यहां तक है कि किसी भी यजन कार्य में पितृ पूजा अवश्य होती है और दोनों ही पक्षों की तीन-तीन पीढ़ी यहां तक कि विवाह संस्कार में भी तीन तीन पीढ़ियों का पुण्य स्मरण किया जाता है।

हमारी शाश्वत परंपरा में व महाभारत व अन्य पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख आता है कि महर्षि अत्रि ने सबसे पहले निमि को श्राद्ध का उपदेश दिया और महर्षि निमि ने सबसे पहले अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म में अग्नि को भी खास महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि अग्नि देव के माध्यम से श्राद्ध पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। हमारे यहां पूर्वजों के स्मरण या श्राद्ध के खासतौर से दो अवसर होते हैं। पहला अवसर तो जिस दिन दाग तिथि यानि अंतिम संस्कार या यों कहें कि देहावसान की तिथि को प्रतिवर्ष श्राद्ध का विधान है तो दूसरा महालय श्राद्ध यानि की कन्यागत सूर्य के समय के पन्द्रह दिवस। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या के कुल सोलह दिन सोलह श्राद्ध के दिन होते हैं। स्वर्गागमन किसी भी पक्ष में हो पर कन्यागत श्राद्ध जिसे हम बोलचाल की भाषा में कनागत कहते है उन सोलह दिनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध निकाला जाता है। जैसे पूर्णिमा को पूर्णिमा तो प्रतिपदा का प्रतिपदा को और इसी तरह से संबंधित तिथि को। यहां एक बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्राचार व लोकाचार में एक बात पर अवश्य जोर दिया गया है कि हमारे पूर्वज श्राद्ध के दिन पुत्री पक्ष की उपस्थिति से अधिक प्रसन्न होते हैं। इसमें श्राद्ध भोजन कि निमित्त या अवसर पर दोयते-दोयती, भांजें-भांजी को भोजन कराना अत्यधिक फलदायक बताया गया है। परिवार की पुत्रियों का इस अवसर पर स्वागत और भी अधिक प्रसंसनीय हो जाता है। स्वागत का अर्थ उनकी उपस्थिति से हो जाता है। पुत्रि पक्ष में बहन, बुआ, बेटियां आदि आ जाती है। अब इसे सामाजिक और वैज्ञानिक तरीके से भी समझने का प्रयास करें तो श्राद्ध कर्म परिवार के जुड़ाव और कुल-कुटुंब में प्रेमाचार-भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। इससे हमारे पितृगण प्रसन्न होते हैं। अब इसी से समझा जा सकता है कि श्राद्ध के माध्यम से परिवार को एकजुट होने, एक दूसरे से मिलने-मिलाने और प्रेम और स्नेह को बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। यह सब में इसलिए लिख रहा हूं कि श्राद्ध के विधान को लेकर तो मर्मज्ञ विस्तार से चर्चा कर ही लेते हैं। यह भी सब जानते हैं कि श्राद्ध को जहां तक संभव हो विसम संख्या में भोजन कराना चाहिए। योग्यता एक अन्य शर्त कही जा सकती है तो शुद्धता भी आवश्यक होती है। इस सबके साथ ही विधान की लंबी फेहरिस्त हो जाती है और धर्म के आलोचक उसको लेकर टीका-टिप्पणी करते ही रहते है। पर श्राद्ध कर्म से दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि यह केवल और केवल हमारे यहां ही होता हो तो ऐसा है नहीं चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, फ्रांस में ला टेसेंट, योरापीय देषों में आल सेंट्स डे, बौद्धों में घोस्ट फेस्टिवल आदि पूर्वजों के स्मरण और पूजन आदि के अवसर है।

इसलिए यह साफ हो जाना चाहिए कि श्राद्ध, श्राद्ध पक्ष और श्राद्ध कर्म के पीछे हमारे पूर्वजों की गहन सोच है। यह मात्र औपचारिकता या ब्राह्मण भोजन तक सीमित नहीं है तो भोजन कराने से पूर्वजों तक भोजन पहुंचने को लेकर मजाक उड़ाने वालों को बहुत कुछ समझने और उसके मूल को समझना होगा। यदि यह ढ़कोसला होता तो चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, बौद्ध देशों में घूस्ट फेस्टिवल या योरोपीय देशों में टेसेंट या आल सेंट्स डे आदि नहीं होते। इन सबसे भी इतर हमें हमारे जन्मदाताओं के प्रति कृतज्ञता तो व्यक्त करना हमारा दायित्व हो जाता है और यही तो हम श्राद्ध कर्म के माध्यम से करते हैं। बस श्राद्ध में श्रृद्धा का जो महत्व है उसकी पालना हमें करनी ही होगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डॉ. मोहन भागवत ~संघ का दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण का संकल्प

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी आज संगठन और राष्ट्र दोनों ही स्तरों पर मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत और दूरदर्शी नेतृत्व के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उनका जीवन संघ के आदर्शों, सेवा-भावना और राष्ट्रनिष्ठा का सजीव उदाहरण है।

डॉ. मोहन राव भागवत का जन्म 11 सितंबर 1950 को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में हुआ। यह तिथि भी ऐतिहासिक महत्व रखती है क्योंकि इसी दिन स्वामी विवेकानंद जी ने 1893 में शिकागो धर्म संसद में विश्वबंधुत्व का अमर संदेश दिया था। यह एक अद्भुत संयोग है कि जिस दिन स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति की महिमा को विश्व पटल पर स्थापित किया, उसी दिन संघ के एक समर्पित परिवार में भविष्य के सरसंघचालक ने जन्म लिया।

उनके पिता श्री मधुकर राव भागवत विदर्भ प्रांत में संघ के प्रचारक रहे। संघ संस्कारों से ओत-प्रोत परिवार में पले-बढ़े मोहन जी बचपन से ही अनुशासित, संवेदनशील और कर्मनिष्ठ रहे।

शिक्षा और प्रचारक जीवन

मोहन जी ने नागपुर से वेटरनरी साइंस (क्क्चस्) में स्नातक उपाधि प्राप्त की। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने व्यावसायिक करियर का मार्ग छोड़कर संघकार्य के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। 1975 के आपातकाल (इमरजेंसी) के दौरान वे सक्रिय प्रचारक बने और कठिन परिस्थितियों में संगठन को सशक्त करने का कार्य किया।

उनका कार्यक्षेत्र मुख्यतः विदर्भ और महाराष्ट्र रहा, जहाँ उन्होंने हजारों स्वयंसेवकों का निर्माण किया। संगठनात्मक कौशल, सरलता और मातृत्वपूर्ण नेतृत्व के कारण उन्होंने युवा स्वयंसेवकों की एक सशक्त पीढ़ी तैयार की।

वर्ष 2009 में उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का छठा सरसंघचालक नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व में संघ ने अनेक परिवर्तनशील और दूरगामी निर्णय लिए–

संघ के गणवेश में बदलाव ~ पारंपरिक खाकी निकर को बदलकर पैंट को अपनाया गया, जो समय की मांग थी।

शाखाओं का विस्तार ~ देश ही नहीं, विदेशों में भी संघ की शाखाओं और स्वयंसेवकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

समरसता का संदेश ~ उन्होंने जातीय विभाजन से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता और एकात्मता पर विशेष बल दिया।

सेवा और सद्भाव का विस्तार~ प्राकृतिक आपदाओं, कोरोना काल जैसी परिस्थितियों में संघ के कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा की मिसालें प्रस्तुत कीं।

राष्ट्र दृष्टि और विचारधारा

डॉ. भागवत जी का संकल्प है ङ्क ÷भारत माता को परम वैभव तक ले जाना।÷

उनकी वाणी और विचारों में तीन प्रमुख तत्व सदैव झलकते हैं–

राष्ट्र प्रथम ~ उनका मानना है कि व्यक्ति और संगठन से ऊपर राष्ट्र का हित सर्वोपरि है।

आत्मनिर्भर भारत ~ वे स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के प्रबल पक्षधर हैं।

समरस समाज ~ उन्होंने समाज में समता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को बढ़ाने का सतत प्रयास किया है।

उनका नेतृत्व मातृत्व से ओतप्रोत है। वे स्वयंसेवकों से केवल अनुशासन की अपेक्षा नहीं करते, बल्कि स्नेह और अपनत्व के साथ उन्हें मार्गदर्शन देते हैं।

संघ का वर्तमान स्वरूप

आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन

है। इसमें करोड़ों स्वयंसेवक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। संघ की शाखाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और समाज का प्रत्येक वर्ग इससे जुड़कर राष्ट्र निर्माण की धारा में प्रवाहित हो रहा है।

डॉ. मोहन भागवत जी के नेतृत्व में संघ केवल संगठन नहीं रहा, बल्कि सेवा, समरसता और संस्कारों का राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है।

75वाँ जन्मोत्सव और शताब्दी वर्ष: वर्ष 2025 विशेष महत्व रखता है। जहाँ डॉ. मोहन भागवत जी अपना 75वाँ जन्मोत्सव मना रहे हैं, वहीं संघ भी विजयादशमी पर अपना 100वाँ स्थापना वर्ष (शताब्दी वर्ष) मना रहा है। यह दोहरी ऐतिहासिक घड़ी संघ परिवार के लिए गौरव और संकल्प दोनों का अवसर है।

डॉ. भागवत जी का व्यक्तित्व आज इस बात का प्रतीक है कि यदि संगठन में दृष्टि, त्याग, समर्पण और सेवा-भावना हो, तो वह राष्ट्र को नई दिशा दे सकता है।

डॉ. मोहन भागवत जी ने अपनी ओजस्वी वाणी, मातृत्वपूर्ण नेतृत्व और दूरदर्शी सोच से संघ को न केवल सशक्त बनाया, बल्कि उसे समाज और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में प्रतिष्ठित कर दिया। वे निस्संदेह एक ऐसे सरसंघचालक के रूप में याद किए जाएंगे जिन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और समरस राष्ट्र बनाने के संकल्प को जीवन का ध्येय बना लिया।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)–डॉ.नवीन आनंद

नेता सत्ता के लिए निचले स्तर तक गिरा रहे हैं भाषा की गरिमा

सत्ता पाने के लिए राजनीति में भाषा निम्न स्तर तक पहुंच गई है। आश्चर्य यह है कि ऐसा करने वाले नेताओं में कोई शर्म-लिहाज नहीं बची है। विकास, भ्रष्टाचार और देश की एकता-अखंडता जैसे मुद्दों पर वोट बैंक बटोरने के लक्ष्य की तुलना में नेताओं को स्तरहीन भाषा का प्रयोग करना सत्ता पाने के लिए ज्यादा आसान लगता है। चुनाव समीप आते ही नेताओं की जुबान बेलगाम हो जाती है। बिहार विधानसभा चुनाव समीप हैं।

(योगेंद्र योगी)

बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी ने नेताओं के भाषा विवाद को नैतिकता के निचले पायदान पर पहुंचा दिया है।

सत्ता पाने के लिए राजनीति में भाषा निम्न स्तर तक पहुंच गई है। आश्चर्य यह है कि ऐसा करने वाले नेताओं में कोई शर्म-लिहाज नहीं बची है। विकास, भ्रष्टाचार और देश की एकता-अखंडता जैसे मुद्दों पर वोट बैंक बटोरने के लक्ष्य की तुलना में नेताओं को स्तरहीन भाषा का प्रयोग करना सत्ता पाने के लिए ज्यादा आसान लगता है। चुनाव समीप आते ही नेताओं की जुबान बेलगाम हो जाती है। बिहार विधानसभा चुनाव समीप हैं। ऐसे में प्रतिद्वन्दी राजनीति दल किसी भी सूरत में सत्ता पाने चाहते हैं, बेशक इसके लिए भाषा की मर्यादा को ही तार-तार क्यों न करना पड़े।

बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी ने नेताओं के भाषा विवाद को नैतिकता के निचले पायदान पर पहुंचा दिया है। अफसोसजनक यह है कि राजनीतिक दलों के मुखिया ऐसी हरकतें करने के लिए माफी तक नहीं मांगते। इसके विपरीत दूसरे नेताओं ने कब-कब इस तरह की अमर्यादित और अपमानित करने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, इसका बेशर्मी से उदहारण देने लगते हैं। पीएम मोदी के मामले में भी यही तौर-तरीका अपनाया गया।

मौका चुनाव का न हो तब भी नेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसी हरकतें करते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह गिरावट तेजी से आई है। देश का शायद ही कोई नेता ऐसा हो, जिसने भाषा की गरिमा को छिन्न-भिन्न नहीं किया हो। भाषा के अलावा नेता जुमलों का इस्तेमाल भी सत्ता स्वार्थ के लिए करते रहे हैं। इसकी फेहरिस्त काफी लंबी है। दिल्ली में निर्भया बलात्कार हत्याकांड के बाद आरोपियों को हुई फांसी की सजा पर समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने एक रैली में कहा था कि जब लड़के और लड़कियों में कोई विवाद होता है तो लड़की बयान देती है कि लड़के ने मेरा बलात्कार किया। इसके बाद बेचारे लड़के को फांसी की सजा सुना दी जाती है। बलात्कार के लिए फांसी की सजा अनुचित है। लड़कों से गलती हो जाती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने एक पार्टी कार्यक्रम में जयंती नटराजन को टंच माल कह दिया था। दिग्गी ने एक बार राखी सावंत पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अरविंद केजरीवाल और राखी सावंत जितना एक्सपोज करने का वादा करते हैं उतना करते नहीं हैं। उनके इस बयान पर राखी न उन्हें सठिया गए हैं, कह कर झिड़का था। शरद यादव शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी की। जेडीयू नेता रहे शरद यादव ने बयान दिया था कि बेटियों की इज्जत से वोट की इज्जत बड़ी है, जिसके बाद सभी तरफ से इसका बयान का खंडन किया गया। महिला आरक्षण विधेयक जब पहली बार संसद में रखा गया था तब शरद यादव ने कहा था कि इस विधेयक के जरिए क्या आप परकटी महिलाओं को सदन में लाना चाहते हैं।

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए, जिससे श्रद्धा पैदा हो, न कि उत्तेजना। कभी कभी महिलाएं

ऐसा श्रृंगार करती हैं, जिससे लोग उत्तेजित हो जाते हैं। एक अन्य कार्यक्रम में भाजपा नेता विजयवर्गीय ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को महिलाओं का शौकीन बताया था। छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा सांसद रहे बंसीलाल महतो ने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री भैयालाल राजवाड़े का नाम लेते हुए कहा था कि वो अक्सर बोला करते हैं कि अब बालाओं की जरूरत मुंबई और कलकत्ता से नहीं है, कोरबा की टूरी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टनाटन हो गई हैं। हरियाणा की एक खाप पंचायत के नेता जितेंद्र छत्तर ने कहा था कि मेरे ख्याल से फास्ट फूड खाने से बलात्कार की घटनाएं बढ़ती हैं।

इसी तरह भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने एक बार प्रियंका गांधी के लिए कहा था कि वह बनारस से चुनाव हार जाएंगी क्योंकि बहुत शराब पीती हैं। नेहरू और लेडी माउंटबेटन के संबंधों पर भी स्वामी विवादित टिप्पणी कर चुके हैं। भाजपा नेता श्रीप्रकाश जायसवाल ने एक बार बयान दिया था कि, नई शादी का मजा ही कुछ और होता है और ये तो सब जानते हैं कि पुरानी बीवी में वो मजा नहीं रहता। गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व रक्षा मंत्री रहे मनोहर पर्रिकर ने लड़कियों के शराब पीने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था मैं डरने लगा हूं क्योंकि अब तो लड़कियां भी शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता खत्म हो रही हैं।

वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में नेताओं की जुबान ने अपने बयानों से देश को शर्मसार कर दिया था। इसको लेकर चुनाव आयोग ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, आजम खान और मायावती को 72 और 48 घंटों के लिए बैन किया था। गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांगेस नेता मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। हालांकि अपने बयान के बाद मणिशंकर अय्यर ने माफी मांग ली थी। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राहुल गांधी के मंदिरों में बैठने के तरीके और पूजा पर कमेंट किया। बात यहां तक बढ़ी कि राहुल गांधी के गैर-हिंदू से लेकर जनेऊ संस्कार तक को निशाने पर ले लिया गया।

मेरठ में एक कार्यक्रम के भाजपा नेता साक्षी महाराज ने कहा कि देश की आबादी हिंदुओं की वजह से नहीं बढ़ रही है, यह कुछ समुदाय के लोगों की वजह से बढ़ रही है, जो चार पत्नी रखते हैं और 40 बच्चे पैदा करते हैं। भाजपा नेता दयाशंकर सिंह ने बसपा सुप्रीमो मायावती को पर ऐसा बयान दिया था जिसको लेकर उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना पड़ा था। मायावती पर पार्टी का टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए दयाशंकर सिंह ने कहा था कि बदतर चरित्र की आज मायावतीजी हो गईं हैं। नेताओं की गंदी होती जुबान और उस पर पार्टी नेतृत्व की तरफ से अंकुश न लगाया जाना समाज के लिए बेहद घातक हो सकता है। सोशल मीडिया के इस दौर में ऐसे आपत्तिजनक बयान तेजी से वायरल होते हैं, जो लोगों की सोच को प्रभावित करते हैं। अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेताओं को पार्टी से बर्खास्त कर देना चाहिए। साथ ही यह नियम भी होना चाहिए कि एक पार्टी से निकाले जाने के बाद उसे दूसरे पार्टी की सदस्यता न मिल सके। ऐसा होने से जो नेता अभी अमर्यादित भाषा बोल रहे हैं, उनकी बदजुबानी पूरी तरह बंद हो जाएगी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चरित्र निर्माण का कोई सॉफ्टवेयर नहीं होता, शिक्षक के आचरण से सीखते हैं विद्यार्थी- उच्च शिक्षा मंत्री परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि चरित्र निर्माण का कोई सॉफ्टवेयर नहीं होता है। विद्यार्थी, शिक्षकों के आचरण एवं व्यवहार से ही सीखते हैं, इसलिए शिक्षकों को अनुसरणीय व्यक्तित्व के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों में संस्थान एवं शिक्षकों के प्रति श्रद्धा का भाव शिक्षक ही स्थापित करते हैं, इस तरह शिक्षक अपने व्यवहार से विद्यार्थियों में दो संस्कार एक साथ रोपित करते हैं। मंत्री श्री परमार ने भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग एवं ओएसिस संस्थान गुजरात के संयुक्त

तत्वावधान में विद्यार्थियों की नेतृत्व क्षमता एवं चरित्र निर्माण को लेकर शुरू मिसाल : नेतृत्व क्षमता(जनजातीय युवा विशेष प्रकल्प) कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर वर्चुअल सहभागिता की। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने, भारत केंद्रित शिक्षा एवं स्वाभिमान के जागरण का महत्वपूर्ण अवसर दिया है। इसके परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों को केवल विषयविद नहीं बल्कि श्रेष्ठ नागरिक भी बनाना है, जिसमें समाज के प्रति संवेदनाएं हों। श्री परमार ने कहा कि आज ही के दिन स्वामी विवेकानंद ने अपने वक्तव्य से विश्वमंच पर भारतीय संस्कृति को गुंजायमान किया था। भारत, संस्कारों का देश है, इन्हीं संस्कारों से भारत को पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनाना है। भारत, पुनः अपने स्वत्व की जागृति के साथ विश्वमंच पर आगे बढ़ रहा है। श्री परमार ने कहा कि देश की एकात्मता को मजबूत करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने प्रत्येक विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं को सिखाने का संकल्प लिया है। श्री परमार ने मिसाल परियोजना की अग्रिम सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रकल्प अपने ध्येय को प्राप्त करेगा और युवाओं में नेतृत्व क्षमता एवं चरित्र निर्माण में योगदान देकर राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करेगा। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि यह प्रोजेक्ट प्रदेश के जनजातीय युवाओं के लिए नेतृत्व और चरित्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें एनएनएस अधिकारी अपने कॉलेजों में सकारात्मक बदलाव और समाज सेवा के लिए मार्गदर्शन देंगे। आयुक्त प्रबल सिपाहा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हम समाज को दशा और दिशा देने के शिक्षा के उद्देश्य के प्राप्त करने में एक कदम और आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल का प्रेरक वर्चुअल वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 30 कॉलेजों के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएनएस) के अधिकारियों का 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार से गुजरात में प्रारंभ किया गया है, प्रदेश के जनजातीय युवाओं की नेतृत्व क्षमता और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मिसाल प्रोजेक्ट का प्रारंभ किया जा रहा है।

सार समाचार

साँईखेड़ा समूह जल-प्रदाय परियोजना का कार्य अंतिम चरण में

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से नरसिंहपुर जिले के साँईखेडा, सालीचौका और चिचली कस्बों में समूह जल-प्रदाय परियोजना का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुँच चुका है। परियोजना से 40 हजार से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। परियोजना पर 52 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। परियोजना के अंतर्गत नर्मदा नदी से जल संग्रहण कर 6.5 एमएलडी क्षमता का जल शोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। परियोजना से हर घर को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से व्यापक वितरण नेटवर्क स्थापित किया गया है।साँईखेडा में 33 किलोमीटर, सालीचौका में 41 किलोमीटर और चिचली में 40 किलोमीटर लंबी पाइप-लाइन बिछाई गई है। जल संग्रहण की व्यवस्था को मजबूत करने के लिये साँईखेडा और चिचली में दो-दो नए ओवरहेड टैंक बनाए गए हैं, जो मौजूदा टैंकों के साथ मिलकर आपूर्ति नेटवर्क की स्थिरता में सहयोग कर रहे हैं।परियोजना में प्रस्तावित 7 हजार 396 घरेलू कनेक्शनों में से अब तक 6 हजार 348 कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। क्षेत्र में शीघ्र ही परियोजना का प्रायोगिक परीक्षण भी प्रारंभ किया जायेगा।

भोपाल के सिद्धार्थ चल पड़े वैराग्य की राह

भोपाल। 29 वर्षीय सिद्धार्थ जैन संसार की भौतिक सुख सुविधाएं को छोड़कर मोक्ष पथ की डगर पर चल पड़े। मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज के 43वें दीक्षा दिवस के पावन अवसर पर भोपाल निवासी सिद्धार्थ जैन (इ. ढँरें) ने मुनिश्री से अशोक नगर में आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत स्वीकार किया। अभी संघ में तप त्याग संयम की साधना कर रहे हैं शीघ्र ही उनकी मुनि दीक्षा होगी। सिद्धार्थ लंबे समय से संघ में प्रवेश की चाह रहे थे, और मुनिश्री के चरणों में अपनी प्रबल इच्छा कई बार व्यक्त कर चुके थे। मुनिश्री ने उन्हें समझाते हुए कहा था कि पहले अपने माता-पिता की सहमति लाओ। सिद्धार्थ अपने पिताश्री को साथ लेकर उपस्थित हुए और दीक्षा दिवस पर इस संकल्प को पूरा कर लिया। जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में जैसे ही सिद्धार्थ का आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत स्वीकार करने का समाचार सामने आया, वैसे ही समूचे पंडाल सहित भोपाल जैन समाज में हर्ष और भावुकता की लहर दौड़ गई। समाज प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया भोपाल राजहंस कालोनी निवासी रविन्द्र अनीता के एकलोते पुत्र सिद्धार्थ अब तक 12 श्रावक संस्कार शिविर अटेंड कर चुके हैं। इन शिविरों से मिली शिक्षा और मुनिश्री के दिव्य उपदेशों से ही वैराग्य का दीप उनके जीवन में प्रज्वलित हुआ। माता और पिता दोनों 2012 में भानपुर पंचकल्याणक में दो-दो प्रतिमा लेकर अपना जीवन संयम मय व्यतीत कर रहे हैं। माताजी अनीता जैन अभी भानपुर मे मुनि निर्वेग सागर महाराज के सानिध्य में दस लक्षण पर्व में 10 उपवास की निर्जल साधना की। एक ही छोटी स्वाति पीपुल्स यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर कार्यरत है। वह भी अपना जीवन नियम और संयम के साथ व्यतीत कर रही है और पाठशाला में बच्चों को संस्कृति और संस्कारों की शिक्षा दे रही है। सिद्धार्थ का पूरा परिवार धर्म और आध्यात्मिक जीवन व्यतीत कर रहा है। अंशुल जैन के अनुसार पूर्व में भी आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के संघ में राजधानी के मुनि अनुउत्तर सागर महाराज और दो सगे भाई मुनि साक्ष्य सागर महाराज और मुनि निवृत्त सागर महाराज तप त्याग और संयम की साधना में लीन है ।

प्रदेश में गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक खाद उपलब्ध होगी

भोपाल। प्रदेश में गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक खाद उपलब्ध होगी। प्रदेश में गत वर्ष 01 अप्रैल से 9 सितम्बर 2024 तक 15.83 लाख मीट्रिक टन यूरिया का विक्रय हुआ था जिसके विरुद्ध इस वर्ष 9 सितंबर 2025 तक 18.34 लाख मीट्रिक टन की कुल उपलब्धता थी, जिसमें से 16.19 लाख मीट्रिक टन का विक्रय किया जा चुका है। प्रदेश में 2.15 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। प्रदेश में गत वर्ष 01 अप्रैल से 9 सितम्बर 2024 तक 9.39 लाख मीट्रिक टन डी.ए.पी + एन.पी.के. का विक्रय हुआ था जिसके विरुद्ध इस वर्ष 9 सितंबर तक 13.96 लाख मीट्रिक टन की कुल उपलब्धता थी, जिसमें से 9.71 लाख मीट्रिक टन का विक्रय किया जा चुका है एवं 4.25 लाख मीट्रिक टन डी.ए.पी. + न.पी.के. प्रदेश में उपलब्ध है।

जैन समाज की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधे रोपे

भोपाल। जैन समाज की महिलाओं ने राजधानी के समीप समसगढ़ तीर्थ क्षेत्र में पौधे रोप कर पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर हरियाली के प्रति और ग्रीन और क्लीन भोपाल के संदेश के साथ कोटेशन प्रतियोगिता भी रखी गई। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मनीषा एमपीटी ने बताया हमारा भोपाल स्वच्छ हो और चारों ओर हरियाली हो। इस संकल्प के साथ परिषद की सभी बहनों ने औषधिय पौधे वितरित किये । पर्यावरण संरक्षण हेतु आम जनता को कट आउट के माध्यम से संदेश दिया। साथही सभी ने संकल्प लिया कि साल में कम से कम 10 पौधे रोपण करेंगे। इस अवसर पर अखिल भारतीय दिगंबर जैन महासमिति मैना सुंदरी संभाग कोहेफिजा भोपाल अध्यक्ष श्रीमती नीलू जैन, संयोजक मनीषा एमपीटी, सचिव तृप्ति जैन, सुनीता जैन, एकता जैन, अनुराधा, प्रधान, बबिता एमपीटी, मीना पवैया, यशिमता जैन, प्रमिला भंडारी, रीता जैन, मंजू जैन, विनीता सिंघाई, अलका सिंघाई, अनीता जैन, छाया जैन, ममता जैन, माधुरी जैन, प्रीति बंगा, राखी जैन, रीना जैन, संगीता अजमेर, सीमा एम आर, सुषमा गंगवाल मौजूद थीं।

किसान सम्मेलन आ सकते हैं पीएम मोदी

सीहोर में सम्मेलन को लेकर तैयारी शुरू, प्रशासन अलर्ट

2016 में आए थे पीएम

शेरपुर मैदान सबसे प्रमुख बिकल्प माना जा रहा है। यह वही जगह है, जहां प्रधानमंत्री मोदी पहले भी किसानों के बीच आ चुके हैं। पिछली यात्रा की यादें आज भी किसानों के दिलों में ताजा हैं, जब 18 फरवरी 2016 को उन्होंने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में कई घोषणाएं की थीं। विशाल मैदान होने के कारण यहां बड़े स्तर पर भीड़ संभालना भी आसान होगा। सोया चौपाल किसानों की भावनाओं से सीधे जुड़ा स्थान है। इंदौर-भोपाल हाईवे से जुड़े होने के कारण किसानों की आवाजाही भी सरल हो जाएगी। कई किसान चाहते हैं।

किसानों की अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री मोदी के संभावित आगमन से किसानों में उत्सुकता बढ़ गई है। उनका मानना है कि इस बार वे बीमा राशि, न्यूनतम समर्थन मूल्य और सिंचाई योजनाओं पर सीधे अपनी बात रख पाएंगे। किसानों को यह भी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री सीहोर से कोई नई बड़ी योजना की घोषणा कर सकते हैं। किसान अभी भी पीएम मोदी की पिछली सीहोर यात्रा को याद करते हैं। उस समय उन्होंने किसानों के बीच जाकर आत्मनिर्भर भारत और आधुनिक खेती की दिशा में नई नीतियों का संदेश दिया था। किसानों का मानना है। कि हर बार प्रधानमंत्री का दौरा उनकी समस्याओं और समाधान को लेकर नई उम्मीदें जगाता है। यदि किसी कारणवश सीहोर में पर्याप्त जगह या अन्य व्यवस्था नहीं हो पाती, तो यह आयोजन रायसेन या भोपाल में भी स्थानांतरित हो सकता है। लेकिन प्रशासन की पहली प्राथमिकता सीहोर ही है और तैयारियां उसी दिशा में की जा रही हैं।

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने यानी अक्टूबर में मप्र आ सकते हैं। दरअसल, 12 से 15 अक्टूबर तक सीहोर में चार दिवसीय किसान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान किसी एक दिन पीएम मोदी की उपस्थिति सुनिश्चित करने की कोशिशें जारी हैं। प्रधानमंत्री के आगमन की चर्चा से जिले में उत्साह और प्रशासन में सतर्कता दोनों ही देखने को मिल रही है। प्रदेश की मोहन यादव सरकार किसानों के लिए बड़े पैमाने पर सम्मेलन आयोजित कर रही है। सीहोर को इस आयोजन के लिए चिह्नित किया गया है। सम्मेलन में खेती की नई तकनीक, सरकारी योजनाओं की जानकारी और फसल उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियां साझा की जाएंगी। किसानों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी से यह सम्मेलन और ऐतिहासिक बन जाएगा। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे की खबर मिलते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। सुरक्षा, यातायात और मंच व्यवस्था की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एसडीएम तन्मय वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री का दौरा संभावित है, लेकिन अभी कार्यक्रम की तिथि तय नहीं हुई है। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए तीन आईएएस अधिकारियों की टीम ने सीहोर का दौरा किया। उन्होंने तीन प्रमुख जगहों का निरीक्षण किया। इनमें शेरपुर मैदान, सोया चौपाल और आरएके कृषि कॉलेज शामिल हैं। सभी स्थलों की सुरक्षा और पहुंच सुविधा को ध्यान में रखकर आकलन किया गया।

कार में बाइक सवार भाइयों को मारी टक्कर, एक की मौत

भोलाल। राजधानी की पुरानी जेल के पास जेल पहाड़ी पर अज्ञात कार ने बाइक से जा रहे दो भाईयों को टक्कर मार दी। इलाज के दौरान एक भाई की मौत हो गई, दूसरे को मामूली चोट आई हैं। अरेरा हिल्स थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम के बाद शव परिजनों को सोते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। दोनों भाई कोर्ट की पेशी कर लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक इरफान खां पिता सलीम खां (35) ग्राम बिजौरी जिला सीहोर के रहने वाले थे। पुराने जेल से नीचे की तरफ जाते समय बाइक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी थी। टक्कर लगने चलती बाइक सहित सड़क पर गिरने से इरफान को घातक छोटे आई थी, जिससे इरफान की इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरे भाई भूरे को मामूली चोट आई। कार चालक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। जांच में सामने आया कि इरफान की पत्नी इंटखेड़ी भोपाल की रहने वाली है। उन्होंने घरेलू हिंसा का केस पति पर दर्ज करा रखा है। इसी केस की बुधवार को पेशी थी। पेशी कर दोनों भाई लौट रहे थे। तभी जेल पहाड़ी पर उन्हें अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। दोनों भाईयों को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान इरफान की देर रात मौत हो गई। हादसे के समय बाइक इरफान चला रहे थे।

सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत स्कूल शिक्षा विभाग आवश्यक तैयारियां करें

सुगम परिवहन व्यवस्था पर अभी से काम करने के निर्देश

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि उज्जैन में सिंहस्थ-2028 वृहद स्तर का आयोजन है, इसको देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग अभी से आवश्यक तैयारियां शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि स्कूल भवनों की स्थिति और उनमें आवश्यक सुधार के प्रस्ताव तैयार कर शासन स्तर पर भेजें। उन्होंने शासकीय स्कूल भवनों की सूची तैयार किये जाने के भी निर्देश दिए। मंत्री श्री सिंह बुधवार को उज्जैन में संभागीय स्तर की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि युवा शिक्षकों को सिंहस्थ की आवश्यक व्यवस्था में सहयोग देने के लिये अभी से प्रशिक्षण दिलाये जाने की व्यवस्था की जाये। बैठक में बताया गया कि उज्जैन जिले में 1733 शासकीय विद्यालय और 985 अशासकीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को शत प्रतिशत निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों और साईकिल का वितरण किया जा चुका है। बैठक में परीक्षा परिणाम में वृद्धि के लिये प्रत्येक विद्यालय के विषय शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संभागीय स्तर पर शुरू किया जा चुका है। प्रत्येक विद्यार्थी की प्रोफाईल बनाई जा रही है। बैठक के बाद स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने ग्राम दाउखेड़ी में निमार्णाधीन सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने संभाग के अन्य जिलों की स्कूल शिक्षा से संबंधित प्रगति की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री सुगम

परिवहन सेवा को जल्द ही मूर्त रूप दिया जाएगा परिवहन मंत्री श्री सिंह ने उज्जैन में बुधवार को परिवहन विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि उज्जैन में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को जल्द ही मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लापरवाही एवं अनियंत्रित तरीके से वाहन चलाने वालों के विरूद्ध लायसेंस सस्पेंड की कार्रवाही की जाए। परिवहन मंत्री ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के आयोजन को देखते हुए उज्जैन में परिवहन व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जाए। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाये जाने पर भी जोर दिया। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने सिंहस्थ के दौरान यातायात को नियंत्रित करने के लिये पार्किंग व्यवस्था के लिये स्थल चयन और त्रिस्तरीय पार्किंग व्यवस्था की कार्ययोजना बनाने के लिये कहा।

भाजपा का फोकस जीएसटी में किए बदलाब पर

संगठन ने दी सेवा पखवाड़े में जनता के बीच जाकर इस पर चर्चा करने के नसीहत

इससें पार्टी एक तीर से दो निशानें साधने का प्रयास कर रही है। अब वह इसमें कितना सफल होगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

भोपाल। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर महात्मा गांधी की जयंती तक सेवा पखवाड़ मनाने जा रही हे। जिसमें पार्टी कई कार्यक्रम आयोजित करेगी। लेकिन सबसें प्रमुख बात यह है कि इस दौरान भाजपा हालही में किए गए जीएसटी बदलाग के लेकर जनता के बीच चर्चा करेगी। विगत दिनों प्रदेश भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर पार्टी संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकताओं को इस बात की नसीहत दी कि इस पखवाड़े में जे भी कार्यक्रम आयोजित किए जाए उसमें पार्टी की केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के साथ ही हालही में केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए बदलाब को लेकर चर्चा जरूर करें। इससें पार्टी एक तीर से दो निशानें साधने का प्रयास कर रही है। अब वह इसमें कितना सफल होगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा। पार्टी का मानना है कि जीएसटी में किए गए बदलाव के बाद कितनी फीसदी जनता केन्द्र सरकार के इस निर्णय से सहमत है ओर इसके भविष्य में होने वाले फायदें से भी जनता को अवगत कराया जाए। पार्टी संगठन का मानना है कि जीएसटी की दरों में किए गए इस बदलाव के बाद जनता में केन्द्र सरकार के प्रति विश्वास और बड़ा है जिसका लाभ पार्टी आने वाले समय में भुनाना चाह रही है। इसके लिए जो सेवा पखवाड़े में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे उनमें पार्टी कार्याकाओं के साथ ही ऐसे बुद्धिजीवियों को भी शामिल किए जाने पर विचार किया जा रहा है जो इसके लाभ ओर दूर गामी परिणामों के बारे में जानकारी दें। इसके साथ ही स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री के साथ ही इसके उत्पादन को मिलने वाले बढ़ावे को बताने का प्रयास किया जाएगा।

तकनीकी उद्यमिता में देश का प्रतिनिधित्व करने तैयार मध्यप्रदेशः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जीआईएस-2025 ने खोले तकनीकी उद्यमिता और अवसरों के द्वार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तकनीकी उद्यमिता में भविष्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये तैयार हो रहा है। प्रदेश अब देश की विकास यात्रा में सहभागी रह कर नित नये अध्याय लिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन पर आधारित राज्य सरकार की नीतियाँ, संस्थागत सहयोग और निवेशक-हितैषी ईकोसिस्टम राज्य के टियर-2 शहरों को भी विकास यात्रा में अग्रणी बनाने को तैयार है। ड्रोन, सेमीकंडक्टर, आईटी, एवीजीसी-एक्सआर और स्पेस-टेक जैसे क्षेत्रों में तेजी से प्रगति के लिए विशेष नीतियां बनाई गईं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में हुए क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय निवेश सम्मेलनों से प्रदेश निवेश का हब बन रहा है।

उद्यमियों में मध्यप्रदेश के ईज ऑफ डूइंग बिजिनेस पर्यावरण में बढ़ता विश्वास आने वाले दशक को मध्यप्रदेश के लिये एक्जीक्यूशन डिकेड बना रहा है। देश की विकास यात्रा महानगरों से टियर-2 शहरों की ओर बढ़कर नए औद्योगिक और तकनीकी अध्याय लिख रही है। मध्यप्रदेश इस परिवर्तन की अगुवाई करते हुए देश के उभरते टेक्नोलॉजी पावरहाउस के रूप में स्थापित हो रहा है। फरवरी 2025 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (ऋकर) के बाद राज्य को ?2,500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे रोजगार के 30 हजार से अधिक अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार की रणनीतिक योजनाओं, नवाचारपरक नीतियों और त्वरित कार्यान्वयन से यह सुनिश्चित हुआ है कि प्रदेश केवल योजनाएँ बनाने तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि धरातल पर ठोस परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। जीसीसी सेमीकंडक्टर, ड्रोन, एवीजीसी-एक्सआर (एनिमेशन, विजुअल इफैक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स, ऐक्सटेंडेड रियलिटी) और स्पेस-टेक जैसे फ्यूचरिस्टिक उद्यमिता क्षेत्रो में भी राज्य ने तेजी से अपनी पकड़ मजबूत की है। जीसीसी पॉलिसी से आकर्षित हो रहीं वैश्विक कंपनियां राज्य सरकार की ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पॉलिसी 2025 के आकर्षक प्रावधानों से प्रदेश मध्यम आकार की वैश्विक कंपनियों का पसंदीदा निवेश स्थल बनता जा रहा है। भोपाल और इंदौर में पाँच प्रमुख कंपनियाँ, जिनमें डिजिटल कंसल्टेंसी, मेडिकल टेक्नोलॉजी, आईटी और फाइनेंशियल प्लानिंग से जुड़ी कंपनियाँ शामिल हैं, अपने संचालन केंद्र स्थापित कर रही हैं। प्रारंभिक चरण में ही इनसे 740 से अधिक उच्च-कौशल रोजगार सृजित होंगे। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर निवेशकों से सार्थक संवाद के परिणामस्वरूप प्रदेश देश का अग्रणी जीसीसी-डेस्टिनेशन बनकर उभर रहा है। विशेष ड्रोन नीति से गांवों तक पहुंच रही तकनीकी क्रांति आईआईएसईआर भोपाल में ?85.51 करोड़ की लागत से 60 हजार वर्गफुट क्षेत्र में फैला एआई-एनेबल्ड ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जा रहा है। इसे अत्याधुनिक यूएवी लैब्स, सिमुलेशन एनवायरमेंट, स्टार्टअप इनक्यूबेशन प्रोग्राम और ह्वारेडी टू सपोर्ट इंडस्ट्रीजह्न के दृष्टिकोण से तैयार किया जा रहा है। तीन वर्ष में यहाँ 200 से अधिक शोधकर्ता और प्रमाणित ड्रोन विशेषज्ञ तैयार होंगे।

मेट्रो के लिए एम.पी. ट्रांसको ने इंदौर में तैयार की 13 किमी कम्पोज़िट लाइन

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है किमध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए महत्वपूर्ण एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन का निर्माण कर उसे ऊर्जीकृत कर दिया है। अब मेट्रो के एम.आर.-10 सब स्टेशन को 132 के.व्ही. डबल सर्किट सप्लाई एम.पी. ट्रांसको के 220 के.व्ही. जैतपुरा सब स्टेशन से प्राप्त होगी। एमपी ट्रांसको इंदौर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर.के. अग्रवाल ने बताया कि जैतपुरा से एम.आर.-10 सब स्टेशन तक ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण घने आबादी वाले क्षेत्र से होकर गुजरने के कारण चुनौतीपूर्ण रहा। इस कारण एम.पी. ट्रांसको मुख्यालय जबलपुर के विशेषज्ञों द्वारा विशेष डिजाइन तैयार कर 12.77 किमी लंबी कम्पोज़िट लाइन का निर्माण कराया गया। इस लाइन में परंपरागत टावर के स्थान पर कम जगह मे लगने वाले नैरोबेस टावर,मोनोपोल टावर और 132 के.व्ही. अंडरग्राउंड केबल तीनों तकनीकों का समावेश किया गया। कुल 38 नैरोबेस टावर, 14 मोनोपोल तथा 0.777 किमी लंबी भूमिगत केबल का उपयोग कर लाइन तैयार की गई।

संक्षिप्त समाचार

फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अदालत ने फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को राहत देते हुए उन्हें फिलहाल फेड गवर्नर पद पर बने रहने का निर्देश दिया है। लिसा कुक को ट्रंप ने बर्खास्त कर दिया था। एक संघीय अदालत ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। यह फैसला पारंपरिक रूप से स्वतंत्र रहने वाले फेडरल रिजर्व पर नियंत्रण स्थापित करने के ट्रंप प्रशासन के प्रयासों के लिए बड़ा झटका है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व, कीमतों को स्थिर रखने और रोजगार के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अल्पकालिक ब्याज दरें निर्धारित करता है। ट्रंप ने 25 अगस्त को कुक को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल कुक पर आरोप लगा कि उन्होंने साल 2021 में खरीदी गई दों संपत्तियों के संबंध में धोखाधड़ी की थी। हालांकि उस वक्त लिसा कुक फेडरल रिजर्व गवर्नर नहीं थीं। कुक ने इस फैसले के खिलाफ अदालत में अपील की। अदालत में कुक के वकीलों ने तर्क दिया कि कुक को बर्खास्त करना गैरकानूनी था क्योंकि राष्ट्रपति फेड गवर्नरों को केवल किसी ठोस वजह से ही बर्खास्त कर सकते हैं। इन वजहों में पद पर रहते हुए अक्षमता, कर्तव्य की उपेक्षा या दुराचार जैसे आरोप शामिल हैं। लिसा कुक ने अदालत में कहा कि बर्खास्त किए जाने से पहले उन्हें सुनवाई और आरोपों का जवाब देने का मौका मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। अब इस मामले में अदालत आगे सुनवाई करेगी।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा-रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने को तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को यूरोपीय देशों के साथ बातचीत में रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने को तैयार है। बेसेंट ने कहा कि रूस पर प्रतिबंध तभी सफल होगा, जब यूरोपीय देश अमेरिका का साथ देंगे। बेसेंट ने यूरोपीय देशों के दूत को राष्ट्रपति ट्रम्प की रणनीति के बार में बताया।

फ्रांस में बवाल, सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शनकारी; 200 गिरफ्तार

पैरिस , एजेंसी। नेपाल में हिंसा की आग अभी बुझी भी नहीं थी कि फ्रांस की राजधानी पैरिस भी सुलग उठी है। भारी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं। पैरिस में हर तरफ आगजनी देखने को मिल रही है। पुलिस ने 200 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है। पेरिस में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ भी देखने को मिली। प्रदर्शनकारियों ने पैरिस की सड़कें बंद कर दीं और कई जगहों पर आगजनी शुरू हो गई। ऐसे में हिंसा को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और 200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया है। प्रदर्शनकारियों ने पैरिस में सबकुछ बंद करने का एलान किया था। हालांकि, फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ के अनुसार,प्रदर्शनकारी अपने मनसूबों में नाकामयाब रहे हैं। यह प्रदर्शन पहले सोशल मीडिया पर शुरू हुआ, जिसके बाद पैरिस में प्रदर्शनकारियों का जमावड़ा लग गया।

जापान में नए पीएम का चुनाव 4 अक्तूबर को

टोक्यो, एजेंसी। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) चार अक्तूबर को निवर्तमान प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की जगह नए नेता का चुनाव करेगी। यह चुनाव एक सरलीकृत मतदान प्रक्रिया के बजाय औपचारिक प्रतियोगिता के बाद होगा। एलडीपी के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि वित्त विशेषज्ञ व दक्षिणपंथी साने ताकाइची ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। दूसरी तरफ, कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने भी ताल ठोंकी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के पुत्र हैं। इनके अलावा तीन और प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन औपचारिक रूप से दावेदारी फिलहाल किसी ने भी नहीं पेश की है।

भूकंप से उठी चिंगारी बनी ज्वाला?

नेपाल में जेन जेड के लीडर की अद्भुत कहानी

काठमांडु, एजेंसी।
नेपाल में जेन जेड आज भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, बेरोजगारी और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ सड़कों पर है। इस आंदोलन की जड़ें एक दशक पहले आई उस त्रासदी से जुड़ी हैं, जिसने हिमालयी राष्ट्र को हिलाकर रख दिया था। वह था 2015 का विनाशकारी भूकंप। इस भूकंप ने न केवल घरों और जिंदगियों को तोड़ा, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति को भी गढ़ा, जो आज जेन जेड के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक है- सुदन गुरुंग।

भूकंप ने बदली जिंदगी: रिपोर्ट के मुताबिक, 38 वर्षीय सुदन गुरुंग कभी थमेल के नाइटलाइफ और पार्टी सर्किट का जाना-माना चेहरा थे। वे थमेल की पार्टी सर्किट में डीजे सेट्स और क्लब आयोजनों से जुड़े थे लेकिन उनका जीवन 2015 के भूकंप के बाद पूरी तरह बदल गया। गुरुंग ने उस समय कहा था, मेरी बाहों में एक बच्चे ने दम तोड़ा। मैं उस पल को कभी नहीं भूल सकता। इसी असहायता से जन्म हुआ हामी नेपाल का। यह एक स्वयंसेवी संगठन है जो चावल की बोरियों के दान से शुरू हुआ और धीरे-धीरे संगठित रूप लेने लगा। एक दशक बाद, यही संगठन नेपाल के जेन जेड की पहचान बन चुका है।

पार्टी से समाज सेवा तक: भूकंप से पहले गुरुंग का जीवन क्लब, डीजे सेट और इवेंट्स के इर्द-गिर्द घूमता था। नेपाली रॉक सिंगर-सॉन्गराइटर और अभया एंड द स्टीम इंजन्स बैंड की फ्रंटवुमन अभया सुब्बा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, नाइटलाइफ में उनकी पृष्ठभूमि ने उन्हें लोगों की नब्ज पढ़ने की कला सिखाई थी। अब वे इस कौशल का उपयोग युवा स्वयंसेवकों को एकजुट करने में करते हैं।

25 अप्रैल 2015 को आए भूकंप के तुरंत बाद, गुरुंग ने सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाई। इसके जवाब में करीब 200 स्वयंसेवक जुट गए। उन्होंने गांवों में चावल पहुंचाया, स्कूलों में तंबू लगाए, और उधार की मोटरसाइकिलों पर घायलों को अस्पतालों तक ले गए। इस अस्थायी नेटवर्क ने हामी नेपाल (हम नेपाल हैं) का रूप लिया, जो 2020 तक 1,600 से अधिक सदस्यों वाला एक पंजीकृत एनजीओ बन चुका था।

प्रसिद्ध नेत्र सर्जन और हामी नेपाल के मेंटर डॉ. संदूक रुइत कहते हैं, सूदन गुरुंग एक असामान्य रूप से अनुशासित ग्रासरूट लीडर हैं। उनकी ताकत बयानबाजी में नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स पर ध्यान देने में है, यही कारण है कि युवा उन पर भरोसा करते हैं। हाल के आंदोलनों ने हामी नेपाल की इस विरासत को एक राजनीतिक आंदोलन में बदल दिया। जब नेपाल सरकार ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया, तो जेन जेड को लगा कि उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। गुरुंग ने स्कूल यूनिफॉर्म और किताबें हाथ में लेकर सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। प्रदर्शनकारियों ने एक अनोखा प्रतीक चुना- जापानी एनीमे वन पीस का स्ट्रॉ हैट जॉली रोजर झंडा उठाया। यह इस एनीमे के कैरेक्टर मंकी डी. लफी की पहचान है। यह झंडा उनकी किताबों के साथ लहराया, जो उनकी पीढ़ी का एक सांस्कृतिक कोड बन गया। यह सिर्फ एक कार्टून का प्रतीक नहीं था, बल्कि भ्रष्ट सत्ता के खिलाफ विद्रोह का एक सांस्कृतिक कोड था, जिसे पूरी पीढ़ी तुरंत समझ गई।

इजराइल का कतर की राजधानी दोहा पर हमला

हमास लीडर बाल-बाल बचे, 6 अन्य की मौत

दोहा, एजेंसी।
कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को कई जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इजराइली सेना ने ऐलान किया कि उसने हमास के सीनियर नेताओं को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। ये हमला हमास चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में अल-हय्या बच गया, जबकि 6 अन्य लोगों की मौत हो गई।

इस बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भी कहा कि इजराइल इस हमले की 'पूरी जिम्मेदारी' लेता है। जब यह हमला तब हुआ जब हमास नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे।

इजराइली सेना और सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि यह हमला बेहद सटीक तरीके से उन हमास नेताओं पर किया गया, जो संगठन की गतिविधियों को लंबे समय से चला रहे थे। एसोसिएटेड प्रेस से बात करते हुए एक इजराइली अधिकारी ने पुष्टि की कि यह हमला कतर की राजधानी दोहा में हुआ। सेना के मुताबिक ये हमास लीडर 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार थे। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब इजराइली सेना के जनरल स्टाफ प्रमुख इयाल जमीर ने हाल ही में कहा था कि विदेशों में मौजूद हमास नेताओं को भी निशाना बनाया जाएगा।

गाजा त्रासदी ने हिलाई दुनिया की अंतरात्मा

ईयू का इजराइल पर प्रतिबंध का ऐलान ! कहा- व्यापार भी कर देंगे बंद

स्ट्रासबर्ग, एजेंसी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बुधवार को ऐलान किया कि वह गाजा युद्ध को देखते हुए इजराइल पर प्रतिबंध लगाने और आंशिक व्यापार को स्थगित करने की योजना पर आगे बढ़ेंगी।यूरोपीय संसद की बैठक के दौरान लेयेन ने कहा कि गाजा में जारी घटनाओं और बच्चों एवं परिवारों की त्रासदी ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा बच्चों और मानवता की खातिर इस युद्ध को रोकना होगा। लेयेन ने यह भी घोषणा की कि अगले महीने एक फिलिस्तीन दाता समूह बनाया जाएगा। इस समूह का एक बड़ा हिस्सा गाजा के भविष्य के पुनर्निर्माण और मानवीय मदद पर केंद्रित होगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब गाजा में इजराइली हमलों से बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हो रहे हैं। यूरोपीय देशों के अंदर भी युद्ध को लेकर जनता और सांसदों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। लेयेन ने स्पष्ट किया कि यूरोपीय संघ अब केवल बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने पर विचार कर रहा है जिसमें इजराइल के साथ कुछ व्यापारिक समझौतों को अस्थायी रूप से निलंबित करना शामिल हो सकता है। लेयेन ने कहा कि गाजा में बच्चों और परिवारों की स्थिति बेहद भयावह है। स्कूल, अस्पताल और आवासीय इलाकों पर हमलों ने मानवता की बुनियाद को हिला दिया है । उन्होंने जोर देकर कहा कि अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर कार्रवाई करनी चाहिए ताकि हिंसा रुके और भविष्य में गाजा को फिर से खड़ा किया जा सके।

फ्रांस में 9 मस्जिदों के बाहर मिले सूअरों के सिर

पांच पर लिखा राष्ट्रपति का नाम

पेरिस, एजेंसी।
फ्रांस में जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच मंगलवार को राजधानी पेरिस और आसपास की नौ मस्जिदों के बाहर सूअरों के कटे सिर मिलने से वहां हड़कंप मच गया है। इनमें से पांच पर फ्रेंच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नाम लिखे हुए थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस घटना के पीछे किसका हाथ है लेकिन फ्रांसीसी अधिकारियों ने देश के मुस्लिम समुदाय को पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया है। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है, जिसकी संख्या 60 लाख से ज़्यादा है। इस्लाम में सूअर का मांस खाना वर्जित है। हाल के दिनों में फ्रांस में मुस्लिम विरोधी माहौल तेजी से पसरा है।

इस घटना पर वहां के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा, मैं चाहता हूँ कि हमारे मुस्लिम देशवासी शांति से अपने धर्म का पालन करें। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है और उन्हें विभाजित संसद में आम सहमति बनाने और 2026 का बजट पारित कराने का चुनौतीपूर्ण कार्य सौंपा है।

विदेशी साजिश से इनकार नहीं: दूसरी तरफ पेरिस पुलिस के प्रमुख लॉरेंट नुनेज़ ने कहा कि यह घटना फ्रांस को अस्थिर करने की विदेशी साजिश हो सकती है और इसमें विदेशी हस्तक्षेप की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि देश फिलहाल वित्तीय और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, हम पिछली कार्रवाइयों से तुलना करने से नहीं बच सकते, जो अक्सर रात में होती थीं और विदेशी हस्तक्षेप साबित हुई थीं।

रूस पर क्यों शक?: हालांकि उन्होंने किसी देश का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया लेकिन उनका इशारा रूस की तरफ था, जो पहले भी फ्रांस में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर चुका है। मई में यहूदी प्रार्थना स्थलों और एक नरसंहार स्मारक को हरे रंग से रंगने के बाद, विदेशी शक्ति से संबंध रखने के आरोप में तीन सर्बियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने कहा कि पेरिस की मस्जिदों के बाहर चार और राजधानी के बाहरी इलाके की मस्जिदों में सूअरों के पाँच सिर मिले हैं। इसमें आगे कहा गया है कि एक जगह पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का उपनाम नीले रंग से रंगा हुआ था।

तुम्हें मुक्का मारूंगा: डिनर पार्टी में ट्रंप के अफसरों में तू-तू, मैं-मैं

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासनिक अफसर आपस में ही भिड़ रहे हैं। ट्रंप की सलाहकार शाखा के दो अफसर हाल ही में एक डिनर पार्टी में उलझ गए। दोनों के बीच बात यहां तक बढ़ गई कि एक ने दूसरे को मुक्का मारने की धमकी दे डाली। बाद में पार्टी में मौजूद अन्य लोगों ने दोनों को समझाकर शांत कराया। इसे लेकर डिनर पार्टी और अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा रही।

वाकया तीन अगस्त 2025 का है। वॉशिंगटन डीसी के जॉर्जटाउन में एक क्लब में ट्रंप प्रशासन के अधिकारी पॉडकास्टर चमथ पालीहापितिया की बर्थडे पार्टी में पहुंचे थे। इस पार्टी में ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और आवास वित्त प्रमुख बिल पुल्टे भी थे। पार्टी के दौरान जैसे ही कॉकटेल शुरू हुआ तो बेसेंट ने पुल्टे के खिलाफ अपशब्द

बोलने शुरू कर दिए। बेसेंट से किसी ने कहा कि पुल्टे ट्रंप के सामने उनके बारे में बुरा-भला कह रहे हैं।

बेसेंट ने पुल्टे से गुस्से में पूछा कि तुम राष्ट्रपति से मेरे बारे में क्यों बात कर रहे हो? मैं तुम्हारे चेहरे पर मुक्का मार दूंगा। दोनों अफसरों के बीच तू-तू, मैं-मैं होते देख क्लब के सह मालिक ओमीद मलिक पहुंच गए। बेसेंट ने चिल्लाकर मलिक से कहा कि पुल्टे को क्लब से बाहर निकालो। या तो मैं यहां रहूंगा या फिर ये रहेगा। मुझे बताओ कौन यहां से बाहर जा रहा है?

इस पर पुल्टे ने पूछा कि किसलिए बाहर जाना है? क्या बात करने के लिए? इस पर बेसेंट ने अपशब्द कहे और कहा कि नहीं। विवाद बढ़ता देख क्लब के सह मालिक मलिक ने दोनों को अलग किया और बेसेंट को क्लब के दूसरे हिस्से में ले गए। डिनर के दौरान भी दोनों को टेबल के अलग-अलग छोर पर बिठाया गया। इस वाकये को लेकर पार्टी में चर्चा का आलम रहा। पार्टी में परिवहन मंत्री सीन डफी, वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक, आंतरिक सचिव डग बर्गम, कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, एसबीए प्रशासक केली लोफ्लर, मेडिकेड प्रमुख मेहमत ओज और उद्यमी डेविड सैक्स शामिल थे।

मस्ती में मौत को दावत ! साधारण गुब्बारे से खेलना पड़ा जान पर भारी

टोक्यो, एजेंसी। अक्सर जन्मदिन या पार्टी में हम रंग-बिरंगे गुब्बारों से खेलते हैं और मज़ाक-मज़ाक में कई बार बच्चे और युवा उनमें भरी गैस को सांस के साथ अंदर खींच लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करना आपकी ज़िंदगी के लिए बेहद ख़तरनाक साबित हो सकता है? इसी तरह के हादसे से जुड़ी एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि कार में बैठी एक बच्ची मजाक-मजाक में गुब्बारे की गैस को मुंह में निगल लेती है और चंद सैकेंड में ही उसकी जान पर बन आती है। गाड़ी में बैठी दूसरी बच्ची व उसका पिता उसकी हालात देखकर घबरा जाते हैं और उसे होश में लाने का प्रयास करते हैं लेकिन उसकी हालात लगातार बिगड़ती जाती है। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों को जान जोखिम में डालने वाले मजाक से बचने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब कोई व्यक्ति हेलियम गैस अंदर लेता है तो वह हमारे शरीर में मौजूद ऑक्सीजन को तुरंत रिप्लेस कर देती है। यानी हमारे मस्तिष्क और दिल को मिलने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति अचानक रुक जाती है। इसका नतीजा यह होता है कि व्यक्ति कुछ ही सेकंड में बेहोश हो सकता है और कई मामलों में उसकी मौत तक हो जाती है। हेलियम एक रंगहीन और गंधहीन गैस है। सांस लेने पर यह हानिकारक लगती नहीं, लेकिन यह धीरे-धीरे फेफड़ों और खून से ऑक्सीजन को बाहर निकाल देती है।

चीन में टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों की बिक्री में आएगी गिरावट

बीजिंग, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर शंघाई में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के सर्वे में बड़ा खुलासा हुआ है। सर्वे के बाद सामने आया है कि टैरिफ से चीन में काम कर रही कई अमेरिकी कंपनियों की बिक्री प्रभावित होगी। इसमें गिरावट आएगी। सर्वे में भाग लेने वाली 254 कंपनियों में से लगभग दो-तिहाई ने कहा कि नए टैरिफ ने 2025 में उनके चीन परिचालन के लिए अपेक्षित राजस्व को कम कर दिया है। वहीं लगभग एक-तिहाई कंपनियां जिनमें से कई बैंकिंग और अन्य उद्योगों में हैं जो अमेरिका से आयात या निर्यात नहीं करते हैं, उन्हें किसी भी प्रभाव की उम्मीद नहीं है। शंघाई चैंबर के नेताओं ने कहा कि टैरिफ से उन कंपनियों पर असर पड़ेगा जो अमेरिका को निर्यात करती हैं और उन कंपनियों पर भी जो चीन में अपने उत्पादन के लिए अमेरिकी पार्ट्स या सामग्री आयात करती हैं। समूह के अध्यक्ष एरिक झेंग ने कहा कि टैरिफ का हमारे परिचालन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। दोनों पक्ष व्यापार वार्ता कर रहे हैं, लेकिन टैरिफ और अन्य मुद्दों पर उनकी दिशा स्पष्ट नहीं है। यह अनिश्चितता उन कंपनियों के लिए एक चुनौती है जिन्हें भविष्य के लिए योजनाएं बनाने की जरूरत है। 19 मई से 20 जून तक किए गए शंघाई चैंबर सर्वेक्षण में पाया गया कि टैरिफ से सबसे अधिक नुकसान निर्माताओं को हो रहा है।

लड़ाई का एक और मोर्चा खुलने का बढ़ा खतरा

पोलैंड का दावा- हवाई क्षेत्र में घुसे रूसी ड्रोन मार गिराए

वारसॉ, एजेंसी।
पोलैंड की सेना ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने रूस के ड्रोन्स को मार गिराया है। पोलैंड का कहना है कि रूसी ड्रोन्स ने यूक्रेन पर हमले के दौरान उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। पोलैंड की सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज रूस द्वारा जब यूक्रेन पर हमला किया जा रहा था, तो उस दौरान रूसी ड्रोन्स जैसी चीजों ने बार-बार हमारे हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इन वस्तुओं की पहचान कर उन्हें तबाह कर दिया गया।

पोलैंड की सेना ने जारी किया बयान:

बयान में कहा गया है, पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सशस्त्र बलों के ऑपरेशनल कमांडर ने सभी जरूरी कदम उठाए हैं। पोलैंड के विमान और सहयोगी विमान हमारे हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे हैं, और जमीनी वायु रक्षा और रडार टोही प्रणालियां भी अलर्ट पर हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब पोलैंड ने अपने हवाई क्षेत्र में किसी ड्रोन को निशाना बनाया है। यह घटना ऐसे समय घटी है, जब पोलैंड के राष्ट्रपति ने मंगलवार को ही अपने एक बयान में चेतावनी दी कि रूस, अन्य यूरोपीय देशों पर भी हमला कर सकता है।

एहतियातन कई हवाई अड्डे बंद किए गए: अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन) के अनुसार, हमले के

बाद, पोलैंड ने एहतियातन अपने वारसॉ स्थित अपने मुख्य चोपिन हवाई अड्डे सहित चार हवाई अड्डों को बंद कर दिया। पोलैंड के दक्षिण-पूर्व में स्थित रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डे को भी बंद कर दिया गया है। बता दें कि रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डा यूक्रेन के लिए यात्रियों और हथियारों के परिवहन का केंद्र है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया था कि रूसी ड्रोन नाटो-सदस्य पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए हैं, लेकिन बाद में टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप से इस बयान को हटा दिया गया।

पोलैंड क्यों है अहम?: पोलैंड भौगोलिक तौर पर पूर्वी यूरोपीय देश है, जिसकी सीमा बेलारूस और यूक्रेन से लगती हैं। पोलैंड यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य है और यूक्रेन, माल्दोवा आदि देशों को भी नाटो में शामिल करने का समर्थक है। यही वजह है कि अमेरिका और रूस दोनों महाशक्तियों की पोलैंड में रुचि होती है। रूस के यूक्रेन पर हमले का पोलैंड द्वारा विरोध किया जा रहा है और पोलैंड खुलकर यूक्रेन की मदद भी कर रहा है। हालांकि पोलैंड को डर है कि रूस, बेलारूस के साथ मिलकर उसकी संप्रभुता को नुकसान पहुंचा सकता है। रूस और उसका सहयोगी बेलारूस जल्द ही बेलारूस में संयुक्त सैन्य अभ्यास करने वाले हैं, जिससे पोलैंड के साथ-साथ नाटो के अन्य सदस्य देश लातविया और लिथुआनिया भी बेचैन हैं।

ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं पंचायत सचिव, उनकी समस्याओं का होगा समाधानः गोविंद सिंह राजपूत

मप्र पंचायत सचिव संगठन ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर खाद्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निज निवास मातेश्वरी पर आयोजित जनसुनवाई में मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारियों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि पंचायत सचिव ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अतुलनीय है। मंत्री श्री राजपूत ने ज्ञापन सौंपने आए पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना एवं पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारियों को अस्वस्थ किया कि उनकी सभी जायज मांगों एवं समस्याओं का शासन स्तर पर उचित निराकरण किया जाएगा। मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन के जिला अध्यक्ष जगन्नाथ प्रसाद गौर ने खाद्य मंत्री श्री राजपूत से कहा कि मध्यप्रदेश पंचायत सचिव केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाते हैं एवं अपना कार्य पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से करते हैं। लेकिन, शासन-प्रशासन के द्वारा सचिवों को मिलने वाली योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल रहा है। संगठन के सदस्यों ने बताया कि शासन द्वारा साल 2023 में पंचायत सचिवों के लिए आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ देने के आदेश जारी किए गए थे। बावजूद, इसके दो वर्ष बीत जाने के बाद भी सचिवों के लिए आयुष्मान कार्ड जैसी आवश्यक एवं महत्वपूर्ण योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सदस्यों ने मंत्री राजपूत से मांग करते हुए कहा कि पंचायत सचिवों के लिए अन्य शासकीय कर्मचारियों को प्रदान किए जाने वाले समयमान वेतनमान का लाभ पंचायत सचिवों के लिए भी प्रदान किया जाए साथ ही वेतन संशोधन करवाए जाने का भी आग्रह किया।

इस अवसर पर संगठन के संभाग अध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, राहतगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णकांत देवलिया, जैसीनगर ब्लॉक अध्यक्ष रामकृष्ण कुर्मी, मनोज मिश्रा विजय यादव प्रदीप अहिरवार बहादुर शाह राजपूत मुन्नालाल प्रजापति टीकाराम अहिरवार हेमराज अहिरवार भगवान सिंह कुर्मी, हरिसिंग यादव, रामप्रसाद खेमारिया पप्पू सेन सहित बड़ी संख्या में मप्र पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

संस्कारयुक्त शिक्षा ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने उत्कृष्ट मार्तण्ड उमावि क्रमांक एक में आयोजित समारोह में जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों को निश्शुल्क स्कूटी का वितरण किया। समारोह में रीवा जिले के 177 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा जीवन भर सद्गुणों का फल देने वाला वृक्ष है। विद्यार्थी जीवन के लिए सर्वोत्तम लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा के माध्यम से उसे प्राप्त करने का प्रयास करें। प्रयासों की असफलता दुगने उत्साह से प्रयास करने की प्रेरणा देती है। आज प्रदेश और देश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरू बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास का पूरा लाभ युवा पीढ़ी को ही मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी अनुशासन और शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें। किसी भी स्थिति में नशे की राह में कदम आगे न बढ़ाएं। नशा ऐसा जहर है जो तन, मन और धन तीनों का विनाश कर देता है। युवा पीढ़ी यदि नशे की राह में चली गई तो हर तरह का विकास बेमानी हो जाएगा। विद्यार्थी अपनी ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों में उपयोग करें। अपने माता-पिता और गुरूजनों का मन से सम्मान करें। जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपने अंदर जुनून पैदा करें। अच्छा कर्म और ज्ञान सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा का तेजी से विकास हो रहा है। चारों ओर फोरलेन सड़कें और रेलवे की सुविधा है। रीवा एयरपोर्ट से दो अक्टूबर से दिल्ली के लिए 72 सीटर हवाई जहाज की सुविधा शुरू हो रही है। इसके बाद रीवा से इंदौर के लिए भी 72 सीटर हवाई जहाज की सुविधा मिलेगी। इससे पूरे विन्ध्य क्षेत्र में पर्यटन का विकास होगा। समारोह में पूर्व महापौर श्री वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि शिक्षा विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। सरकार विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटाप और स्कूटी प्रदान किए जा रहे हैं। छात्रावास और फीस में छूट जैसे लाभ भी दिए जा रहे हैं। सभी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर प्रदेश और देश के विकास में योगदान दें। समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मेधावी विद्यार्थी योजना की जानकारी दी। समारोह में सहायक संचालक शिक्षा राजेश मिश्रा, विद्यालय के प्राचार्य जेपी जायसवाल तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वैश्विक सोच और ईमानदारी से आगे बढ़कर लक्ष्य प्राप्त करोः डॉ थॉमस पुलोप्पिलिल

बीएसएसएस ने सम्मान समारोह 2025 मनाया

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) ने 11 सितंबर 2025 को कॉलेज के सभागार में छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए सम्मानित करने हेतु अपना सम्मान समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महामहिम परम श्रद्धेय डॉ. थॉमस पुलोप्पिलिल, बोंगाईगांव, असम के बिशप, अपनी धर्माध्यक्षीय सेवा की रजत जयंती मना रहे थे, और विशिष्ट अतिथि डॉ. पुनीत शुक्ला, सहायक कुलसचिव और माननीय कुलपति, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के सचिव उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद डीन एकेडमिक्स फादर जोमी पनीथास ने स्वागत भाषण दिया, जिनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने कार्यक्रम की नींव रखी। प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों के सम्मान में स्थापित शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार और स्मृति पुरस्कारों की एक श्रृंखला, साथ ही वेलेडिक्टोरियन पुरस्कार, एनसीसी अचीवर पुरस्कार, एनएसएस अचीवर पुरस्कार, खेल पुरस्कार, रिदम स्टार और देवहरम समारिटन पुरस्कार जैसे विशेष सम्मान, मेधावी छात्रों को प्रदान किए गए। वेलेडिक्टोरियन पुरस्कार सुश्री प्रतीक्षा घरडे को प्रदान किया गया, जिन्होंने वेलेडिक्टोरियन भाषण भी दिया। मुख्य अतिथि, सम्माननीय डॉ थॉमस पुलोप्पिलिल ने छात्रों को भविष्य के लिए प्रोत्साहन और दूरदर्शिता भरे शब्दों के साथ संबोधित किया।उन्होने बीएसएसएस कॉलेज को हर क्षेत्र में सर्वोत्तम कॉलेज कहते हुए छात्रों के अनुशासन, परिश्रम और लगन के साथ नवाचार की सोच की सराहना की। उनका कहना था कि वैश्विक सोच और ईमानदारी से आगे बढ़कर लक्ष्य प्राप्त करो। प्रधानाचार्य डॉ फादर जॉन पीजे के दूरदर्शी नेतृत्व में, बीएसएसएस शिक्षार्थियों की पीढ़ियों को प्रेरित करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम समन्वयक डॉ गौरव अत्री द्वारा किया गया, जिनकी सावधानीपूर्वक योजना ने इसके निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया। कार्यक्रम का समापन उप-प्राचार्य डॉ सिस्टर लीमा जैकब ने सभी के प्रति धन्यवाद किया।

दुर्गा जी के साथ लक्ष्मी जी एवं सरस्वती जी भी विराजेंगीः रिंकू भटेजा

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

श्री दुर्गा उत्सव समिति व्यापारी संघ गोविंद गार्डन रायसेन रोड गोविंदपुरा भोपाल के अध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि यह समिति का 29 वा वर्ष है, इस वर्ष आगामी 22 सितंबर से प्रारंभ होने वाले शारदीय नवरात्रि पर्व में दुर्गा जी साथ लक्ष्मी जी एवं सरस्वती जी की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। प्रतिदिन मथुरा ,वृंदावन, उज्जैन एवं भोपाल के कलाकारों द्वारा सजीव झांकी प्रस्तुत की जाएगी।

जीएमसी भोपाल के प्लेटिनम जुबिली कार्यक्रम में आवश्यक सहयोग के शुक्ल ने दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) भोपाल प्रदेश की गौरवशाली धरोहर है, जिसने अब तक हजारों डॉक्टर और विशेषज्ञ तैयार कर चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कॉलेज की प्लेटिनम जुबिली एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसका सुव्यवस्थित और गरिमामय आयोजन होना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाओं में हर स्तर पर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल से मंत्रालय भोपाल में जीएमसी एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल को प्लेटिनम जुबिली समारोह में आमंत्रित किया और इस अवसर पर आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र संस्थान की परिस्थितियों और जरूरतों से भली-भांति परिचित होते हैं, उनके सुझाव सुधार और सशक्तीकरण में अत्यंत सहायक होंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधि को सामान्य सभा की बैठकों में शामिल किया जाए, ताकि उनके अनुभव और सुझावों का लाभ कॉलेज प्रशासन को निरंतर मिलता रहे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जीएमसी भोपाल की प्लेटिनम जुबिली के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन प्रदेश और देश भर के पूर्व छात्रों को जोड़ने का एक अवसर बनेगा और संस्थान की गौरवशाली परंपरा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। जीएमसी एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कॉलेज परिसर में पूर्व छात्रों द्वारा किए जा रहे विकास कार्य और अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने संस्थान की व्यवस्थाओं के उन्नयन, अधोसंरचना और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी रखे तथा शासन से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त तरुण राठी, एम.डी. एम.पी. पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड मयंक अग्रवाल सहित जीएमसी एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्व. डॉ. आर. के. बिसारिया की स्मृति में 22 छात्राओं को छात्रवृत्ति के चेक वितरित किये गये

भोपाल (नप्र)। चित्रगुप्त समाज भोपाल के माध्यम से स्वर्गीय डॉ. आर. के. बिसारिया जी की स्मृति में प्रतिवर्षानुसार छात्राओं को दी जाने वाली छात्रवृत्ति के लगभग 4 लाख 40 हजार रुपए के चेकों का वितरण आज चित्रांश भवन जवाहर चौक, टी टी नगर भोपाल में आयोजित भव्य आयोजन में किया गया। जिन छात्राओं को यह चेक प्रदान किए गए हैं वह भोपाल शहर के विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों में अध्ययनरत है। जिन छात्राओं को छात्रवृत्ति दी गई है उन छात्राओं में प्रियांशी श्रीवास्तव, तान्या श्रीवास्तव, मान्या श्रीवास्तव, चित्रांशी सक्सेना, कुमारी अपेक्षा, चंचल श्रीवास्तव, अर्चिका श्रीवास्तव, सलोनी श्रीवास्तव, आरोही श्रीवास्तव, वैभवी श्रीवास्तव, शिवांगी सक्सेना, बेवी श्रीवास्तव, कुमारी रोशनी, कुमारी प्रांजल, अनुभा सक्सेना, कुमारी मयूरी, कुमारी नैतिक, कुमारी शिवानी, अंतिका दत्ता, दिव्यांशी श्रीवास्तव आदि शामिल रहे। इस अवसर पर बिसारिया फाउंडेशन की डॉ. रीना कानूनगो, डॉ. राजेश कानूनगो, पूर्व मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव, चित्रगुप्त समाज भोपाल के राजेश नारायण श्रीवास्तव, जी एम जोहरी, डी पी श्रीवास्तव, के के सक्सेना, संजीव श्रीवास्तव, सुधा जौहरी, पी डी खरे, राजेश श्रीवास्तव, ब्रजेश श्रीवास्तव, मनोज निगम विशेष रूप से उपस्थित थे।

निगम अमले ने की विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

ठेले, स्टैण्ड बोर्ड आदि किये जप्त

भोपाल (नप्र)। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की और बड़ी संख्या में अवैध रूप से खड़े ठेले, गुमठी, काउंटर, सब्जी, सोडा, जूते आदि की दुकानों को हटाया और 23 ठेले एवं 02 स्टैण्ड बोर्ड जप्त किये। निगम अमले ने जिला प्रशासन एवं भवन अनुज्ञा शाखा की पृथक-पृथक कार्यवाही में सहयोग देकर अवैध निर्माणों को हटाया। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने मंगलवार को करोंद चौराहा, गांधीनगर, आषाराम तिराहे, करोंद नयापुरा, अषोका गार्डन, परिहार चौराहा, प्रभात चौराहा, श्याम नगर पठानी बरखेड़ा, एम्स गेट नं0-2, मानसरोवर काम्प्लेक्स, आषिमा मॉल, 10 नम्बर मार्केट, 11 नंबर बस स्टाप, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, बोर्ड आफिस, डीबी मॉल, कोलार दानिष चौराहा, जे.के. हास्पिटल, सिग्नेचर 99, कोलार थाना क्षेत्र, सी.आई. चौराहा, सर्वधर्म पुलिया, भदभदा, सूरज नगर, बैरागढ़ चंचल चौराहा, गुफा मंदिर, लालघाटी, काला दरवाजा, रॉयल मार्केट, हमीदिया गेट नं0-1, बोट क्लब आदि क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर लगाई गई सब्जी की दुकानों सहित जूते, सोडे की गाड़ियों, ठेले, गुमठी, अवैध रूप से बनें छप्पर आदि को हटाया और 23 ठेले एवं 02 स्टैण्ड बोर्ड जप्त किये।

निगम अमले ने जिला प्रशासन की कार्यवाही में सहयोग करते हुए श्याम नगर बरखेड़ा पठानी में अवैध रूप से बनें 05 कमरे, शौचालय, बाथरूम, गैरेज आदि को जेसीबी मशीन के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की तथा भवन अनुज्ञा शाखा की कार्यवाही में सहयोग करते हुए निगम अमले ने गुफा मंदिर के पास अवैध रूप से निर्मित मकान को भी तोड़ने की कार्यवाही की। निगम अमले ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के पश्चात पुनः अतिक्रमण न करने की समझाइश देते हुए चेतावनी भी दी कि यदि पुनः अतिक्रमण पाया जाता है तो और अधिक सख्त कार्यवाही की जायेगी।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल (नप्र)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 134 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम श्री अंकुर मेश्राम, श्री पी.सी. शाक्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भोपाल में पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री इकट्ठा करने के कैंप शुरू

विधायक आरिफ मसूद की अपील

भोपाल (नप्र)। विधायक आरिफ मसूद ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए राहत सामग्री एकत्रित करने की अपील की है। विधायक आरिफ मसूद की अपील पर पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए राहत कैंप लगाए गए हैं। 8 सितंबर से सुबह 9 बजे से बुधवारा चौराहा, कमला पार्क, जिंसी, इतवारा, भारत टाकीज, चिकलोद रोड, काज़ी कैंप, बाल विहार और मस्जिद साजिदा सुल्तान कर्बला अशोका गार्डन नूरमहल जैसे कई स्थलों पर राहत सामग्री एकत्रित की जा रही है। इस कैंप में लोग बाढ़ प्रभावितों के लिए राशन और जरूरी सामान जैसे चावल, दाल, तेल, मसाले, टारपॉलिन, मच्छरदानी, टूथपेस्ट, ब्रश, सूखा दूध, साबुन शकर साबुन दाल गरम मसाला आदि दान कर रहे हैं। नगद दान स्वीकार नहीं किया जा रहा है। विधायक आरिफ मसूद ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन कैंपों में पहुंच कर पंजाब के बाढ़ पीड़ित भाइयों और बहनों की सहायता करें ताकि राहत सामग्री समय पर प्रभावित इलाकों तक पहुंचाई जा सके। यह कदम सामाजिक एकता और मानवता की सेवा का प्रदर्शन है, जिसमें भोपाल के लोग पंजाब के प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं। इन कैंपों पर जाकर राहत सामग्री दान कर सकते हैं। आपकी सहायता से प्रभावित परिवारों तक जल्दी राहत पहुंचेगी।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय में 20 एवं 21 सितंबर को साक्षात्कार किए जाएंगे आयोजित

भोपाल (नप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल अंतर्गत लीगल एड डिफेंस काउंसिल में कार्यालय सहायक, रिसेप्शनिस्ट कम डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय भृत्य की नियुक्ति के लिए जिन आवेदकगण ने पूर्व में आवेदन भेजे थे, के साक्षात्कार 20 सितंबर एवं 21सितंबर को समय प्रातः 09. 00 बजे से सायं 05. 00 बजे तक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, अरेरा हिल्स भोपाल में आयोजित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए प्रधान जिला न्यायालय,भोपाल एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करें।

बिट्टन मार्केट दशहरा महोत्सव समिति के चुनाव संपन्न

राजेश व्यास अध्यक्ष, सोमानी महासचिव एवं खरे मुख्य प्रवक्ता बने

भोपाल (नप्र)। राजधानी के प्रतिष्ठित बिट्टन मार्केट दशहरा महोत्सव समिति की हुई बैठक में इस वर्ष 47 वाँ दशहरा महोत्सव धूमधाम से मनाने के लिए समिति का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से एडवोकेट राजेश व्यास को अध्यक्ष, संजय सोमानी को महासचिव, राजेश खरे को मुख्य प्रवक्ता, चंद्रभूषण बादल को आयोजन समिति का अध्यक्ष एवं राहुल शर्मा को सचिव चुना गया । श्री गिरीश अग्रवाल को संयोजक, दिनेश लिलवानी को कार्यवाहक अध्यक्ष, प्रमोद तिवारी,संतोष व्यास, भुवनेश्वर शर्मा, एवं के .पी. श्रीवास्तव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुभाष व्यास,दिलीप शर्मा,विजय लिल वानी को उपाध्यक्ष,जूही रघुवंशी,दीपेश यादव को प्रवक्ता नियुक्त किया गया। बैठक में जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त संचालक प्रलय श्रीवास्तव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। चल समारोह की जिम्मेदारी विकास सिंह एवं कमलेश कारा को दी गई। समिति के मुख्य प्रवक्ता राजेश खरे ने बताया कि देश भर में जहां समितियों में पुतलों का कद बढ़ाने की होड़ मची हुई है, वहीं इस समिति ने पुतलों को बुराई का प्रतीक मानते हुए हर वर्ष पुतलों का कद एक फीट कम करने का निर्णय करीब 15 वर्ष पहले लिया था। जिसके तहत हर वर्ष कम करते हुए इस बार 55 फीट का पुतला दहन करेंगे । एक दिन ऐसा भी आएगा जब सिर्फ प्रतीकात्मक रूप से दहन होगा। समाज से बुराई भी पूर्णतः समाप्त हो जाएगी।

इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी तक पहुँचनी चाहिए, ताकि इतिहास से सीख मिल सके: श्रेयस तलपड़े

1. भारतीय इतिहास का यह अध्याय बेहद अहम् और संवेदनशील है। आपको क्यों लगता है कि इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी को सुनाई जानी चाहिए?मेरा मानना है कि इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी को जाननी चाहिए। यह सिर्फ अतीत का कोई वाकया नहीं है। जिन्होंने इसे झेला, उनके लिए यह अब भी एक जीती-जागती याद है, लेकिन नई पीढ़ी इसके बारे में लगभग कुछ नहीं जानती। इस फिल्म के ज़रिए उन्हें असलियत देखने का मौका मिलेगा। उन्हें उस दौर की मुश्किलें समझने का और यह भी सीखने का मौका मिलेगा कि ऐसी गलती दोबारा कभी नहीं होनी चाहिए। यही इतिहास से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख है।2. आपने अटल बिहारी वाजपेयी जैसे बड़े और सम्मानित नेता का किरदार निभाया। इसमें कंगना रनौत ने आपकी किस तरह मदद की?अटल जी का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, क्योंकि वे ऐसे नेता हैं, जिन्हें हर कोई बेहद सम्मान देता है। ज़्यादातर लोग उन्हें सिर्फ 90 के दशक और 2000 के दशक के प्रधानमंत्री के तौर पर याद करते हैं, लेकिन उनके शुरुआती दिनों और इमरजेंसी के दौरान उनकी भूमिका के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। कंगना ने इस दौर पर गहरी रिसर्च की थी और उन्होंने मेरे साथ अटल जी के भाषण, उनका बोलने का अंदाज, यहाँ तक कि उनकी छोटी-छोटी बारीकियाँ भी साझा कीं। उस मार्गदर्शन की वजह से मैं अटल जी का वह रूप सामने ला पाया, जो लोगों ने पहले कभी नहीं देखा होगा।

उम्रदराज पर खूबसूरती में किसी से कम नहीं तबु

एक्ट्रेस तबु इंडस्ट्री की दिग्गज स्टार हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग से फैंस को दीवाना बना रखा है. वहीं उनके लुक्स तो कहर ढाते हैं. 53 की उम्र में भी वो कमाल लगती हैं.तबु अपनी फिटनेस पर भी बहुत ध्यान देती हैं. उनका अंदाज, फैशन स्टेटमेंट हर कोई फॉलो करना चाहता है. ब्लैकलेस ड्रेस हो या ऑफ शोल्डर गाउन तबु पर सबकुछ कमाल लगता है. उनकी अदाएं लुक को और खूबसूरत बना देती हैं.तबु की हाइट और पर्सनैलिटी पर बॉसी लुक खूब जंचता है. इस ब्राउन ब्लेजर-पैंट में तबु कहर ढा रही हैं. तबु पर एथनिक बहुत फबता है. वो लहंगा-साड़ी ग्रेस के साथ कैरी करती हैं. इस लुक में उनकी जूलरी, मेकअप और लाल गुलाब परफेक्ट है.तबु पर एथनिक बहुत फबता है. वो लहंगा-साड़ी ग्रेस के साथ कैरी करती हैं. इस लुक में उनकी जूलरी, मेकअप और लाल गुलाब परफेक्ट है.तबु कूल लुक्स में नजर आती हैं. उन्हें कम्फर्टेबल आउटफिट बहुत पसंद है. इस वनपीस ड्रेस के साथ जैकेट कमाल लग रही है.तबु 53 साल की हैं और उनकी खूबसूरती दिन ब दिन बढ़ती जा रही है. इस ऑफ शोल्डर गाउन में वो कहर ढा रही हैं. तबु के वेस्टर्न लुक वायरल रहते हैं और जब उसमें एथनिक का तड़का लग जाए तो तबु के सामने सब फेल होते हैं. इस रेड ड्रेस में तबु किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं. तबु ने मिडिल पार्टेड हेयरस्टाइल से अपना लुक कंप्लीट किया है. तबु इस ब्लू सूट में भी कमाल लग रही हैं. उनकी ग्लॉसी मेकअप लुक में चार चांद लगा रहा है. लहराती जुल्फें और आंखों का काजल उनकी खूबसूरती निखार रहा है. तबु को अक्सर ब्लैक कलर में देखा जाता है. उनके ऊपर ब्लैक कलर जंचता है. इस ऑल ब्लैक लुक में वो कहर ढा रही हैं. तबु की सिजलिंग फोटोज वायरल रहती हैं।

न सुल्तान, न बजरंगी भाईजान... फिल्म दबंग है सलमान खान की पहली 200 करोड़ी पिक्चर

2009 में फिल्म वॉन्टेड रिलीज हुई थी, जिसने सलमान खान की किस्मत बदल दी थी. इसके लगभग एक साल बाद यानी 2010 में फिल्म दबंग रिलीज हुई, जिसमें सलमान खान ने पुलिस ऑफिसर का रोल प्ले किया था. इसी फिल्म के बाद से लगभग 2017 तक सलमान की बैक टू बैक 'बॉडीगार्ड', 'रेडी', 'एक था टाइगर', 'दबंग 2', 'किक', 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी फिल्में आईं, जिन्होंने 300 से लेकर 700 करोड़ के आस-पास तक का बिजनेस किया था. सलमान के लिए वो 7-8 साल कमाल के थे और फिल्म दंबग उनके करियर की बेस्ट फिल्मों में से एक साबित हुई.

10 सितंबर 2010 को फिल्म दंबग रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से सोनाक्षी सिन्हा ने बॉलीवुड डेब्यू किया था. फिल्म दबंग के गाने और डायलॉग्स आज भी सलमान के फैंस पसंद करते हैं. इसी फिल्म से सलमान खान ने बता दिया कि पुलिस ऑफिसर गंभीर ही नहीं चुलबुले भी हो सकते हैं. सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म दंबग ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी, जिसके बाद इसके दो पार्ट्स और बने.

फिल्म दंबग की कमाई कितनी हुई थी?

अभिनव कश्यप ने फिल्म दबंग डायरेक्ट की थी जबकि इसके प्रोड्यूसर मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान थे. फिल्म में साजिद-वाजिद और ललित पंडित का म्यूजिक था. फिल्म में सलमान खान ने दबंग इंस्पेक्टर चुलबुल पांडे का रोल प्ले किया था वहीं सोनाक्षी सिन्हा ने उनकी वाइफ रज्जो का रोल प्ले किया था. ये दोनों किरदार लीड में थे, वहीं अरबाज खान, सोनू सूद, माही गिल, विनोद खन्ना, अनुपम खेर और डिंपल कपाड़िया ने भी अहम किरदार निभाए थे.

फिल्म दबंग में सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा

अगर फिल्म की कमाई की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म दबंग का बजट 42 करोड़ रुपये था, जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 215 करोड़ था और फिल्म ने सिर्फ भारत में 140 करोड़ का कलेक्शन किया था. इसी तरह फिल्म दंबग सलमान खान के करियर की पहली 200 करोड़ी फिल्म बनी थी, जो ब्लॉकबस्टर रही. वहीं इस फिल्म का दूसरा पार्ट 2012 में रिलीज हुआ जो सुपरहिट रहा और इसका तीसरा पार्ट 2019 में आया और वो सिर्फ हिट रहा.

फिल्म दबंग में एक आइटम नंबर 'मुन्नी बदनाम हुई' भी था, जिसे मलाइका अरोड़ा पर फिल्माया गया था. गाने में फिल्म के हीरो सलमान खान और फिल्म के मेन विलेन सोनू सूद भी डांस करते नजर आए थे. इस गाने ने उस समय आग लगा दिया था, हर तरफ यही गाना बजता था और कई सालों तक इस गाने की धूम रही. आज भी डांसिंग नंबर जब बजते हैं तो इस गाने की भी डिमांड होती है.इसके अलावा फिल्म में 'तेरे मस्त मस्त दो नैन', 'चोरी किया रे जिया', 'हमका पीनी है', 'हुड़ हुड़ दबंग' जैसे गाने भी हिट रहे. ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'साईकिल वाली दीदी' आम्रपाली ने शेयर की फिल्म का पोस्टर

फिल्म 'साईकिल वाली दीदी' के पोस्टर को देखकर आप समझ सकते हैं कि फिल्म किस टॉपिक पर बनी है. इसमें आम्रपाली ने सिंदूर लगाया हुआ है और साड़ी पहनी है, जिसमें वो पूरी तरह से सुहागिन लग रही हैं. वहीं एक्ट्रेस किसी स्कूल के बाहर साइकिल चलाती दिख रही हैं, साइकिल के बास्केट में स्कूल बैग भी रखा है. फिल्म 'साईकिल वाली दीदी' के डायरेक्टर इश्तियाक शेख बंटी हैं और इसके प्रोड्यूसर्स संदीप सिंह और निलाभ तिवारी हैं.

भोजपुरी सिनेमा की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आम्रपाली दुबे का नाम भी शामिल है. आम्रपाली एक फिल्म के लिए लाखों रुपये फीस लेती हैं और फिल्मों में इनकी दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिलती है. आम्रपाली ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिनमें सोशल मैसेज होता है या जिनमें महिलाओं के अधिकारों की बातें होती हैं. अब आम्रपाली नई फिल्म लेकर आ रही हैं और इसका नाम 'साईकिल वाली दीदी' है. फिल्म का पोस्टर भी एक्ट्रेस ने शेयर कर दिया है.आम्रपाली दुबे ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया है. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'बहुत जल्द आप सबके बीच आ रही है, साईकिल वाली दीदी.' इसके साथ आम्रपाली ने फिल्म से जुड़े लोगों की आईडी भी टैग की है, जिसमें इश्तियाक शेख बंटी, बीफोरयू और संदीप जुरनो जैसे नाम शामिल हैं.

फिल्म 'साईकिल वाली दीदी' के पोस्टर को देखकर आप समझ सकते हैं कि फिल्म किस टॉपिक पर बनी है. इसमें आम्रपाली ने सिंदूर लगाया हुआ है और साड़ी पहनी है, जिसमें वो पूरी तरह से सुहागिन लग रही हैं. वहीं एक्ट्रेस किसी स्कूल के बाहर साइकिल चलाती दिख रही हैं, साइकिल के बास्केट में स्कूल बैग भी रखा है. फिल्म 'साईकिल वाली दीदी' के डायरेक्टर इश्तियाक शेख बंटी हैं और इसके प्रोड्यूसर्स संदीप सिंह और निलाभ तिवारी हैं.

आम्रपाली दुबे की शिक्षा पर बनी फिल्में?

फिल्म 'साईकिल वाली दीदी' लड़कियों की शिक्षा पर बनी है और इससे पहले भी आम्रपाली इसी टॉपिक पर कई फिल्में कर चुकी हैं. आम्रपाली दुबे ने 'विद्या', 'कलेक्टर साहिबा', 'मिशन मैट्रिक', 'शिक्षा और प्रेम', 'अनपढ़ पतोहिया', 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' और 'कलेक्टर बहू' जैसी फिल्में की हैं, जिनमें महिलाओं की शिक्षा को खूब महत्व दिया गया है. वैसे आम्रपाली 2014 में रिलीज हुई भोजपुरी की ब्लॉकबस्टर फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी (2014) से अपने फिल्मी एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद अब तक आम्रपाली ने एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं, जिनमें उन्होंने खेसारी लाल, दिनेश लाल, अरविंद अकेला कल्लू, पवन सिंह जैसे सितारों के साथ काम किया है।

पति पत्नी और पंगा में सुनीता ने खोले गोविंदा के कई राज

कलर्स के पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक के अपकमिंग एपिसोड में गोविंदा की बीवी नंबर 1 यानी सुनीता आहूजा नजर आएंगीं. इस दौरान सुनीता कंटेस्टेंट्स और शो के होस्ट मुनव्वर फारूकी और सोनाली बेंद्रे संग खूब मस्ती मजाक करती हुई नजर आएंगीं. वहीं वे स्टेज पर अपने पति गोविंदा को लेकर कुछ खुलासे करती हुई भी नजर आएंगीं.बता दें कि शो के दौरान सुनीता अपने पति और एक्टर गोविंदा को लेकर ऐसा राज खोलती हैं कि हर कोई हंस-हंसकर लोटपोट हो जाता है. दरअसल सुनीता कहती है गोविंदा ने अपने साथ काम करने वाली लगभग हर अभिनेत्री को मज़ाकिया अंदाज़ में आकर्षित किया था, वहीं सोनाली बेंद्रे एकमात्र ऐसी महिला थीं जिनके साथ उन्होंने कभी फ़्लर्ट नहीं किया. इस खुलासे पर जोड़ियां दंग रह गईं और दर्शक हंसी से लोटपोट हो गए वहीं सोनाली मंच पर शरमा गईं. सुनीता ने गोविंदा की एक आदमकद स्टैंडी को रिवील करके सभी को चौंका दिया, जिसके बाद सोनाली, सुनीता और कंटेस्टेंट्स ने मैं तो रस्ते से जा रहा था गाने पर जमकर डांस भी किया. कॉमेडी को और बढ़ाते हुए, सुदेश लहरी स्टैंडी के पीछे छिप गए. उन्होंने गोविंदा की नकल की और अभिषेक कुमार को एक मज़ाकिया थप्पड़ जड़ दिया, जिससे माहौल में और भी मज़ाकिया अंदाज़ में जोश भर गया.

वहीं शो में ईशा मालवीय ने सुनीता से अपने पति की रेटिंग पूछी. इस पर अपने भुलने की आदत के लिए जाने जाने वाले गोविंदा को सुनीता ने 7 नंबर दिए. असली झटका तब लगा जब सुनीता ने उनकी वफ़ादारी को रेटिंग दी. शरारती अंदाज़ में उन्होंने एक्टर को 6 नंबर देकर, सबको हंसा दिया.

बता दें कि कुछ टाइम पहले फिर से गोविंदा और सुनीता आहूजा के तलाक के रूमर्स फैल गए थे. हालांकि बाद में एक्टर के वकील और मैनेजर ने बताया कि वो पुरानी बातें हैं और गोविंदा और सुनीता आहूजा के बीच अब सबकुछ ठीक है. इसके बाद ये जोड़ी गणेश उत्सव के दौरान साथ नजर आई थी. बता दें कि पति पत्नी और पंगा शो कलर्स टीवी पर रविवार और शनिवार रात को साढ़े 9 बजे आता है. ये जियो हॉटस्टार पर भी स्ट्रीम होता है।

इन्फ्लुएंसर विवाद केस

कोर्ट ने क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर लगाया 100 रुपए जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। डिंडोशी सेशंस कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल के खिलाफ कथित मारपीट के मामले में जवाब देने में देरी के चलते भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर 100 रुपए का जुर्माना लगाया है। सपना गिल के वकील अली काशिफ खान का मानना है कि यह कोर्ट की ओर से दिया गया एक बड़ा संदेश है। वकील अली काशिफ खान ने कहा, हमने अपनी क्लाइंट के साथ हाथापाई को लेकर पृथ्वी शॉ और उनके ग्रुप के खिलाफ शिकायत की थी। जब पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की, तो हमने अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट में जाकर मांग की थी कि वह एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दें, लेकिन कोर्ट ने पुलिस को सिर्फ पूछताछ का ऑर्डर दिया। ऐसे में हमने सेशंस कोर्ट डिंडोशी में ऑर्डर को चैलेंज किया। आज करीब एक साल का समय बीच चुका है, लेकिन इस मामले में पृथ्वी शॉ का कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने कहा, सेशंस कोर्ट डिंडोशी के जज ने पृथ्वी शॉ को कई बार जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। इसके बाद से उनके वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन से ज्यादा डेट्स ले ली हैं। बुधवार को जब उनके वकील से जवाब दाखिल करने को कहा गया, तो उन्होंने फिर से वक्त मांगा, जिसे सुनते ही जज ने 100 रुपए जुर्माना भरने का आदेश दिया। यह 1 या 100 रुपए के जुर्माने की बात नहीं है। यह कोर्ट की ओर से दिया गया एक बड़ा संदेश है। कानून सभी के लिए बराबर है। अब पृथ्वी शॉ को जवाब दाखिल करने के लिए 16 दिसंबर की डेट दी गई है। अली काशिफ खान ने कहा, मेरा मानना है कि उनके वकील की ओर से वक्त बर्बाद किया जा रहा है। इस मामले को खींचा जा रहा है। हो सकता है कि शायद उनके पास कोई जवाब ही नहीं हो। हमारा आरोप है कि पुलिस उनके साथ मिली हुई है। बता दें कि फरवरी 2023 में अंधेरी के एक पब में सपना गिल और पृथ्वी शॉ के बीच सेल्फी को लेकर विवाद हुआ था।

मांजरेकर का सनसनीखेज बयान

भारत के महान बल्लेबाजों में फिट नहीं बैठते रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि वनडे कप्तान रोहित शर्मा अपने टेस्ट रिकॉर्ड के कारण भारत के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की सूची में फिट नहीं बैठते। रोहित ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे से पहले इस टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। रोहित ने 67 टेस्ट मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया और 40.57 के औसत से 12 शतकों और 18 अर्द्धशतकों सहित 4301 रन बनाए। दूरदर्शन के क्रिकेट शो पर मांजरेकर ने रोहित को लेकर सनसनीखेज बयान दिया। उन्होंने रोहित की सफेद गेंद के प्रारूप में निस्वार्थ नेतृत्व क्षमता और टीम के हित को निजी हित से ऊपर रखने के लिए प्रशंसा की। हालांकि, उन्होंने कहा कि रोहित की जगह सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों की सूची में नहीं बनती क्योंकि टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा महत्व दिया जाता है। मांजरेकर ने दूरदर्शन पर प्रसारित ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में कहा, भारत के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की सूची में रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं क्योंकि हम गावस्कर, तेंदुलकर, द्रविड़ और विराट जैसे दिग्गजों की बात कर रहे हैं। रोहित इस सूची में फिट नहीं बैठते, लेकिन अगर आप वनडे क्रिकेट, निस्वार्थता या कप्तानी को देखें, तो आपको रोहित शर्मा का जिक्र करना ही होगा। खासकर 2023 विश्व कप के बाद, लोगों का उनके प्रति प्यार एक अलग ही स्तर पर है।मांजरेकर ने कहा, लोगों ने देखा कि वह कभी अपने बारे में नहीं सोचते थे। वह टीम के फायदे के लिए अपने हितों का त्याग करने को तैयार रहते थे। यही उनकी असली खासियत है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनका सहज दबदबा हमेशा से ही सुखद रहा है।

एशेज सीरीज की तैयारी में जुटे

कमिंस ने चोट से वापसी के लिए समयसीमा तय की

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करना चाहते हैं, उन्होंने बॉलिंग क्रीज पर वापसी के लिए समयसीमा तय की है। जुलाई में कैरेबियन दौरे में खेलने के बाद से पैट कमिंस कमर दर्द से जूझ रहे हैं। उनकी हालिया स्कैन रिपोर्ट में प्रभावित हिस्से में लंबर बोन स्ट्रेस की पुष्टि हुई है। कमिंस को आराम की जरूरत है, लेकिन दौड़ने या गेंदबाजी करने में कोई दिक्कत नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जानते हैं कि उन्हें एशेज सीरीज से पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 21 नवंबर से होगी। कमिंस को उम्मीद है कि एशेज की शुरुआत से लगभग चार से छह हफ्ते पहले वह दोबारा गेंदबाजी शुरू कर पाएंगे। कमिंस ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक स्पॉन्सरशिप प्रोग्राम में कहा, मैं कम से कम एक महीने पहले, शायद छह हफ्ते पहले गेंदबाजी करना शुरू करना चाहूंगा, लेकिन मैंने इस पर अभी ज्यादा नहीं सोचा है। अभी भी इंतजार करना होगा और देखना होगा। हमारे पास पर्याप्त समय है, इसलिए जब चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी नजदीक होगी, तो वापसी का रोडमैप तय करेंगे। अगर पैट कमिंस को शुरुआती टेस्ट से बाहर होना पड़ा, तो ऐसे में तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड उनकी जगह ले सकते हैं। अनुभवी तिकड़ी मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लायन का खेलना लगभग तय है। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल अगले कुछ हफ्तों तक ज्यादा कड़ी ट्रेनिंग नहीं करूंगा। मुझे ज्यादा दौड़ना नहीं है और गेंदबाजी बिल्कुल नहीं करनी। 21-25 नवंबर के बीच पर्थ में एशेज सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। 4-8 दिसंबर के बीच ब्रिस्बेन में दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। 17-21 दिसंबर के बीच दोनों टीमें एडिलेड में तीसरे टेस्ट के लिए भिड़ेंगी, जबकि 26-30 दिसंबर के बीच मेलबर्न में चौथा मुकाबला खेला जाएगा।

फीफा वर्ल्ड कप

बोलीविया ने ब्राजील को हराया, क्वालिफाइंग प्लेऑफ में प्रवेश किया

एल आल्टो (बोलीविया), एजेंसी। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। मिगुएल टेरसेरोस ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल किया जिससे बोलीविया ने मंगलवार को विश्व का फुटबॉल के दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में ब्राजील को 1-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की। टेरसेरोस ने 45वें मिनट में गोल करके बोलिवियाई टीम को 2019 के बाद पहली बार घरेलू मैदान पर ब्राजील पर जीत दिलाई। प्लेऑफ टूर्नामेंट में छह देश शामिल होंगे और यह मार्च के अंतरराष्ट्रीय सत्र में खेला जाएगा, जिससे अगले वर्ष अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप के लिए अंतिम दो स्थानों का निर्धारण होगा। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। क्वालिफायर में तीसरे स्थान पर रहने वाली कोलंबियाई टीम ने स्ट्राइकर लुइस डियाज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेनेजुएला को 6-3 से हराकर बोलीविया की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में मदद की। डियाज ने चार गोल दागे। क्वालिफाइंग के एक अन्य मैच मे इक्वाडोर ने अर्जेंटीना को 1-0 से हरा दिया। अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में 38 अंक लेकर पहले, जबकि इक्वाडोर 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

गावस्कर ने ब्रोंको टेस्ट को कहा अनुचित, सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की पुरुष टीम में खिलाड़ियों के चयन के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू करने की योजना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसा टेस्ट है जो एथलीटों को अपनी हृदय संबंधी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। ब्रोंको टेस्ट क्रिकेट के लिए भले ही नया हो, लेकिन रग्बी में इसका इस्तेमाल लंबे समय से एक उच्च-तीव्रता वाली दौड़ के अभ्यास के रूप में किया जाता रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इसके खिलाफअपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन करना काफी अनुचित है। गावस्कर ने अपने एक कॉलम में लिखा, हालांकि यह जानने के लिए कि किसी खिलाड़ी को अपने शरीर को कहां मजबूत करने की जरूरत है, ये टेस्ट करवाना ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन का फैसला इनसे करवाना थोड़ा ज़्यादा है। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए टीम में सभी के लिए एक ही मानक रखना लगभग असंभव है। खिलाड़ी की विशेषता और उसके लिए दी जाने वाली छूट का ध्यान रखना जरूरी है। उदाहरण के लिए एक विकेटकीपर, जो पूरे दिन लगातार घूमता रहता है, उसे दूसरों की तुलना में अलग फिटनेस स्तर की आवश्यकता होती है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप

निखत 5-0 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निखत जरीन ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युमा निशिनाका को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। निखत के अलावा मीनाक्षी, जदुमणि और अभिनाश जामवाल भी क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

निखत का इस साल का पहला इवेंट 29 साल निखत के लिए यह इस साल का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। पहले राउंड में जापानी खिलाड़ी ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन निखत ने अपनी लय बनाए रखी और जीत हासिल की। मैच के दौरान युमा ने निखत के रिदम को तोड़ने के लिए अत्यधिक क्लिंचिंग (गले लगाकर रुकने) की कोशिश की, जिसके कारण उन्हें दो पेनल्टी पॉइंट्स का नुकसान हुआ। निखत ने जापानी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया और सर्वसम्मति से जीत हासिल की।

48 चत में मीनाक्षी ने चीनी खिलाड़ी को हराया निखत के अलावा अन्य भारतीय बॉक्सरों ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने चीन की वांग क्यूपिंग को 5-0 से हराया। जबकि जदुमणि (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की रीडशॉ रीस को 5-0 से पराजित किया। वहीं, अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) ने डोमिनिकन गणराज्य के पीटर यनोआ फर्नांडो डी जीसस को 5-0 से मात देकर अगले दौर में जगह पक्की की।

भारतीय पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में पदक की दौड़ से बाहर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के पदक चरण में जगह बनाने में असफल रहे।भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड (अंतिम-32) में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए, जिससे एक बार फिर रिकर्व वर्ग में दबाव में भारत की मानसिक कमजोरियां उजागर हो गईं। पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली।

चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का मौका मिल गया। जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया, जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था। तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला, क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड की टीम का ऐलान कर दिया गया है, जिसकी कमान सोफी डिवाइन के पास है। 22 वर्षीय ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर को घरेलू स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। पिछले संस्करण की मेजबानी के बाद से न्यूजीलैंड टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बार न्यूजीलैंड ने अपने खेमे में छह ऐसी खिलाड़ियों को शामिल किया है, जो पहली बार वनडे वर्ल्ड कप में खेलती नजर आएंगी। इसके अलावा, चार खिलाड़ी ऐसी भी होंगी, जो अपने पहले सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

सोफी डिवाइन अपना पांचवां वर्ल्ड कप खेलने जा रही हैं। उनकी साथी सूजी बेट्स भी अपने पांचवें वनडे विश्व कप में खेल रही हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहुहू को चौथे विश्व कप में खेलने का मौका मिला है, जबकि मैडी ग्रीन और मेली केर अपने तीसरे विश्व कप में भाग ले रही हैं। 30 सितंबर से महिला वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत होने जा रही है। टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड का पहला मैच 1 अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीकी टीम से भिड़ेगी। 10 अक्टूबर को उसका सामना बांग्लादेश से होगा।

न्यूजीलैंड की टीम 14 अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगी, जिसके बाद 18 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। यह टीम 23 अक्टूबर को भारतीय टीम को चुनौती देगी, जबकि 26 अक्टूबर को न्यूजीलैंड का सामना इंग्लैंड से होगा।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने टीम में चुने गए सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए कहा, मैं टीम के संतुलन से वास्तव में खुश हूं। मुझे लगता है कि परिस्थितियों और विरोधियों को मद्देनजर रखते हुए हमारे पास सही मिश्रण है, जिससे हम उन सभी चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं, जिनका हम सामना करेंगे।

न्यूजीलैंड की टीमः सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमैरी मेयर, जॉर्जिया प्लिम्मर और ली ताहुहु।

अफगानिस्तान का विजयी आगाज, एशिया कप के पहले मैच में हॉन्ग कॉन्ग को धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान ने हॉन्ग कॉन्ग को 94 रनों से करारी शिकस्त दी है. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने उमरजई और अटल की शानदार फिफ्टी के दम पर 189 रनों का लक्ष्य हॉन्ग कॉन्ग के सामने रखा था. इसके जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की टीम 94 रन ही बना सकी.

ऐसी रही हॉन्ग कॉन्ग की पारी

189 के जवाब में उतरी हॉन्ग कॉन्ग की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ही ओवर में फारुकी ने अंशुमान रथ का विकेट झटका. अंशुमान अपना खाता भी नहीं खोल सके. इसके बाद दूसरे ओवर में हॉन्ग कॉन्ग को एक और झटका लगा जब उमरजई ने जीशान अली का विकेट झटका. इसके बाद तीसरे ओवर में 13 के स्कोर पर भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा और निजाकत रन आउट हो गए. पांचवे ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा. इसके बाद 10वें ओवर में भी हॉन्ग कॉन्ग को झटका लगा जब किंचित शाह 4 रन बनाकर आउट हो गए. इसके बाद अच्छी लय में दिख रहे बाबर हयात का भी विकेट गिर गया. इसके बाद हॉन्ग कॉन्ग की पारी और लड़खड़ा गई और टीम 20 ओवर खेलकर 9 विकेट गंवाने के बाद केवल 94 रन ही बना सकी. अफगानिस्तान ने 94 रनों से ये मैच जीत लिया.

ऐसी रही अफगानिस्तान की पारी

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी. पारी का आगाज अटल और गुरबाज ने किया. लेकिन तीसरे ही ओवर में अफगानिस्तान को पहला झटका लगा जब गुरबाज 8 रन बनाकर आयुष शुक्ला का शिकार बन गए. इसके बाद चौथे ओवर में इब्राहिम जादरान भी 1 रन बनाकर आउट हो गए. लेकिन फिर नबी और अटल के बीच अच्छी साझेदारी हुई. टीम को तीसरा झटका 77 के स्कोर पर 11वें ओवर में लगा. नबी 33 रन बनाकर किंचित का शिकार बने. फिर नाइब का विकेट 13वें ओवर में गिरा. नाइब 5 रन बना सके. लेकिन अटल को साथ मिला अजमतुल्लाह उमरजई का जिन्होंने शानदार फिफ्टी लगाई. उमरजई ने 53 रन बनाए. दोनों की इस पारी के दम पर अफगानिस्तान ने 188 रन बनाए.

ट्रम्प बोले-मोदी अच्छे मित्र, ट्रेड बैरियर पर उनसे बात करूंगा

- मोदी बोले- मैं इंतजार कर रहा हूं, बेहतर डील करने के लिए टीमें बात कर रहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील नेगोशिएशन और टैरिफ टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच चल रही बातचीत जल्द किसी बेहतर नतीजे पर पहुंचेगी। ट्रम्प ने कहा कि वे सभी तरह के ट्रेड बैरियर खत्म करने के लिए आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। आने वाले हफ्तों में मैं अपने बहुत अच्छे दोस्त, पीएम मोदी से बात के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों महान देशों के लिए एक सफल नतीजे पर पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।ट्रम्प के इस पोस्ट के करीब 5 घंटे बाद पीएम मोदी ने भी एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'भारत और अमेरिका' अच्छे दोस्त और नेचुरल पार्टनर हैं।

कैबिनेट ने बिहार में दो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

- 7616 करोड़ का निवेश होगा, भागलपुर से रामपुरहाट तक रेलवे लाइन भी बनेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग हुई। बैठक में 7616 करोड़ रुपए के निवेश वाली बिहार में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

इसमें बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के फोर लेन ग्रीनफील्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को मंजूरी दी गई। यह प्रोजेक्ट हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत बनाई जाएगी, जिसकी कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर और कुल 4447.38 करोड़ रुपए का निवेश होगा।

इसके अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किमी) के दोहरीकरण को भी मंजूरी दी गई है, जिसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है।

मोकामा-मुंगेर हाईवे मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे शहरों से होकर गुजरेगा और भागलपुर को जोड़ेगा। पूर्वी बिहार में मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर बेल्ट एक प्रमुख इंडस्ट्रियल एरिया बन रहा है।

यहां पर बंदूक कारखाना और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयुध कारखाना बनने वाला है। इसके अलावा जमालपुर में लोकोमोटिव वर्कशॉप, मुंगेर में आईटीसी और संबंधित रसद और भंडारण केंद्र हैं।

वहीं, भागलपुर में भागलपुरी सिल्क से जुड़े कारखाने बन रहे हैं। बड़हिया खाद्य पैकेजिंग, प्रसंस्करण और कृषि-गोदाम के लिए एक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

इंग्लैंड की महिला बताकर रिटायर्ड टीचर के साथ 11.77 लाख रुपये की ठगी

गुरुग्राम। गुड़गांव में एक रिटायर्ड टीचर के साथ हुई साइबर ठगी की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मामले में, एक महिला ठग ने खुद को इंग्लैंड की बताकर और दोस्ती का नाटक करके पीड़ित से 11.77 लाख ठग लिए। ठग ने विक्टोरिया फिलिप नाम से फेसबुक पर रिटायर्ड टीचर रामनिवास को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। दोस्ती के बाद दोनों की बातचीत व्हाट्सएप पर होने लगी, जहाँ महिला ने खुद को इंग्लैंड का बताया और भारत आने की इच्छा जाहिर की। कुछ दिनों बाद, रामनिवास को एक अनजान नंबर से कॉल आया।

कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई एयरपोर्ट का इमिग्रेशन अधिकारी बताकर कहा कि उन्होंने विक्टोरिया फिलिप को रोक लिया है, क्योंकि उनके पास तय सीमा से ज्यादा, यानी 58 लाख की विदेशी मुद्रा मिली है। अधिकारी ने इस समस्या को सुलझाने के लिए जुमार्ने, टैक्स और सिक्योरिटी के नाम पर पैसे की मांग की। इसके बाद, ठग महिला ने खुद रामनिवास से बात की और पैसे भेजने का अनुरोध किया, यह

कहते हुए कि वह भारत आने के बाद पैसे लौटा देगी। रामनिवास ने ठगों के झांसे में आकर, कई अलग-अलग बैंक खातों में 11,77,000 ट्रांसफर कर दिए। पैसे ट्रांसफर होने के बाद, ठगों ने अपना फोन बंद कर दिया। तब जाकर रामनिवास को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने इस मामले की शिकायत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से बचें, खासकर अगर वे विदेशों से हों और जल्दी दोस्ती बढ़ाने की कोशिश करें। कोई भी व्यक्ति, खासकर जिसे आप व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते, अगर आपसे किसी भी बहाने से पैसे मांगता है, तो तुरंत सतर्क हो जाएं।

बहन को आया सपना, भाई ने बताया कि उसकी हत्या हो चुकी

- फिर हुआ चौंका देने वाला खुलासा

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक महिला पूजा को रक्षाबंधन की रात एक सपना आया। सपने में उसके भाई शिवबीर ने बताया कि उसकी हत्या हो चुकी है। पूजा ने जब यह बात अपनी मां सावित्री देवी को बता दी। इसके बाद परिवार को शिवबीर की पत्नी मालती पर शक हुआ, क्योंकि मालती पिछले कई महीनों से शिवबीर से बात नहीं करवा रही थी और टालमटोल कर रही थी। इसके बाद मां सावित्री देवी ने पुलिस कमिश्नर से संपर्क किया, जिन्होंने मामले की जांच का आदेश दिया। पुलिस ने मालती के मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली, तब पता चला कि वह अपने भांजे अमित के लगातार संपर्क में थी। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि दिवाली से एक दिन पहले मालती ने अमित के साथ मिलकर शिवबीर को नशीली चाय पिलाकर उसका गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों ने शिवबीर के शव को घर के पास ही एक बगीचे में दफना दिया और उस पर 10 पैकेट नमक डाल दिए ताकि शव जल्दी गल जाए और किसी को शक न हो। मालती ने परिवार को बताया था कि शिवबीर नौकरी के लिए गुजरात चला गया है। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने सबसे पहले अमित को गिरफ्तार किया, जिसके बाद मालती को भी हिरासत में ले लिया गया। उनकी निशानदेही पर शव को बाहर निकाकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। डीसीपी दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाए जा चुके हैं और उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

रेहड़ी वाले से कचौड़ी खरीदते समय सब्जी में मरी हुई छिपकली मिली

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक व्यक्ति को रेहड़ी वाले से खरीदी गई सब्ज़ी में मरी हुई छिपकली मिली। इस घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति को कचौड़ी के साथ परोसी गई सब्ज़ी में मरी हुई छिपकली मिलती दिख रही है।

वीडियो में दिख रहा है कि जब व्यक्ति को खाने वाले खाने में मरी हुई छिपकली मिली, तो उसने विक्रेता से झगड़ा किया। विक्रेता ग्राहक से माफ़ी मांगते हुए कह रहा है, भैया गलती हो गई। कुछ ही देर में, ठेले के पास भीड़ जमा हो जाती है। एक व्यक्ति विक्रेता से उसका नाम और वह कहाँ से है, यह पूछता हुआ सुनाई देता है। विक्रेता कहता है, अरे भैया गिर पड़ी होगी कहीं से। विक्रेता माफ़ी मांगते हुए ग्राहक के पैर छूने की कोशिश करता है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद, अलीगढ़ पुलिस ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अभी तक स्थानीय पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। अलीगढ़ पुलिस ने कहा, स्थानीय पुलिस स्टेशन में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है, और स्थानीय पुलिस को खाद्य विभाग के साथ समन्वय करने और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

फावड़ा मारकर टेंपो चालक की हत्या, हमलावर गिरफ्तार

यूपी। बरेली के थाना कैंट में एक युवक ने एक टेंपो चालक की बीच सड़क दौड़ा-दौड़ा कर फावड़े से मारकर हत्या कर दी. बताया जाता है कि आरोपी ने फावड़े से ऑटो चालक के सीने में तब तक वार किया, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई. हत्याकांड की सूचना लगते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई और आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया. साथ ही पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा भी बरामद कर लिया है.

बताया जा रहा है कि 53 साल के अब्दुल हमीद टेंपो लोडर चलाकर खड़े हुए थे. इसी दौरान अचानक से एक युवक आया और उसने फावड़े से उसकी हत्या कर दी. हत्या की वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर कैंट थाना की पुलिस के साथ-साथ फोरेंसिक टीम, डॉग स्क्वाड, एसपी सिटी और सीओ भी पहुंचे. जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है. जानकारी के मुताबिक बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के उडला जागीर निवासी अब्दुल हमीद, ठिरिया निजामत खां में जावेद खां की दुकान पर रेत-बजरी लोगों के घरों पर पहुंचाने का काम करता था. बताया जा रहा है कि अब्दुल हमीद रात कैंट थाना क्षेत्र के ठिरिया निजामत खां रोड पर रेत-बजरी लेकर गया था. उसके साथ उसका बेटा नदीम भी था.

नदीम रेत-बजरी के पैसे लेने गया हुआ था.इसी दौरान ठिरिया निजामत खां का शहरोज, अब्दुल हमीद के पास आया और और किसी बात को लेकर दोनों के बीच कुछ मामूली विवाद हो गया. देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने लोडर से फावड़ा उठाया और उसके सीने पर मार दिया. हत्याकांड की पूरी घटना पास में लगे कैमरे में कैद हो गई. सीसीटीवी में साफ-साफ देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति आता है और कुछ बातचीत होती है.

सिंगरौली में धर्मांतरण को लेकर बड़ा खुलासा

- अब तक 50 लोगों का धर्मांतरण

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में धर्मांतरण को लेकर बड़ा खुलासा हुआ था। पुलिस ने ओडिशा से आए दो लोगों सहित पांच को हिरासत में लिया गया है। जिसमें तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने मौके से धार्मिक किताबें और कुछ नकदी भी जब्त की है। दरअसल, सिंगरौली जिले की पुलिस ने खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि 10 साल पहले ओडिशा से दो शख्स आए थे। दोनों ने एनसीएल की खाली जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। वहां के स्थानीय लोगों की मदद से धर्मांतरण का गोरखधंधा शुरू किया था। ये बड़ी चालाकी से इस काम को अंजाम देते थे। दोनों पहले कुछ स्थानीय लोगों को अपने झांसे में लेकर उस क्षेत्र की जानकारी जुटाते थे। इसके बाद कॉलेज के छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों को अपना निशाना बनाते थे। उन्हें पैसे लेकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। दावा हैं कि इस रैकेट के जरिए अब तक करीब 50 लोगों का धर्मांतरण कराया जा चुका है।

पति ने पकड़ा पत्नी को गैरमर्द के साथ, पूरे शहर में कराई बेइज्जती

पुरी। जिले के नीमापाड़ा इलाके में एक चौंकाने वाली

घटना सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी को उसके पुरुष साथी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। नाटकीय घटनाक्रम में, गुस्साए पति ने दोनों को जूतों की माला पहनाई, उनके हाथ बांधे और पुलिस को सौंपने से पहले उन्हें सड़कों पर घुमाया। व्यक्ति के अनुसार, उसकी पत्नी, जो एक स्कूल शिक्षिका है, नीमापाड़ा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत एक किराए के मकान में रह रही थी। उसने आरोप लगाया कि उसकी अनुपस्थिति में, उसने काकटपुर इलाके के एक अन्य शिक्षक के साथ अवैध संबंध बनाए रखा। पति ने दावा किया कि उसने संदेह के आधार पर किराए के घर पर छापा मारा और अपनी पत्नी को उसके पुरुष मित्र के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाया। गुस्से में, उसने स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाने से पहले दोनों को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने का फैसला किया।

पिता बना हैवान! पुलिस भी हैरान रह गई

पुणे। पुणे के कोंढवा क्षेत्र में एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां 40 वर्षीय जगदीश मल्लिकार्जुन सुतार को अपनी नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. यह घटना पिछले तीन महीनों से चल रही थी. आरोपी को उसके घर से हिरासत में लिया गया और बुधवार शाम को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर पाटणकर के अनुसार, पीड़िता ने अपने रिश्तेदारों को बताया कि उसके पिता पिछले तीन महीनों से उसके साथ गलत व्यवहार कर रहे थे. उसने बताया कि पिता उसके सीने और निजी अंगों को गलत तरीके से छूते थे. इस खुलासे के बाद रिश्तेदारों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और आरोपी को सौंप दिया. पीड़िता की हिम्मत और रिश्तेदारों की त्वरित कार्रवाई ने इस मामले को उजागर करने में मदद की. पुलिस ने जगदीश सुतार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 75, 351(2), और 352 के साथ-साथ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट, 2012 की धारा 8, 9(रु), और 12 के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके. आरोपी से पूछताछ जारी है, और पुलिस अन्य संभावित सबूतों की तलाश में है.

पीजी मालिक ने 10वीं की छात्रा को निर्वस्त्र कर यौन उत्पीड़न किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु के बन्नेरघट्टा पुलिस थाना क्षेत्र में दसवीं कक्षा के एक छात्र को कपड़े उतारने, नाचने और यौन उत्पीड़न के लिए मजबूर करने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह घटना बुधवार को बेंगलुरु के बाहरी इलाके में स्थित एक निजी स्कूल के छात्रावास के कमरे में हुई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित छात्र पर प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स (कक्षा 12) के दूसरे वर्ष के छात्रों ने हमला किया। पीड़ित छात्र स्कूल में नया छात्र था। हमले और रैगिंग की शिकायत छात्रावास के वार्डन और स्कूल के प्रधानाचार्य से की गई। पीड़ित छात्र के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि रैगिंग की शिकायत दर्ज होने के बाद से ही सीनियर छात्र उसे निशाना बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पुलिस से संपर्क इसलिए किया क्योंकि स्कूल के प्रधानाचार्य और छात्रावास के वार्डन ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़ित छात्र के माता-पिता ने बताया कि 3 से 6 सितंबर तक, छात्रावास के कमरे में चार दिनों तक छात्र के साथ लगातार मारपीट की गई।

यौन उत्पीड़न के अलावा, आरोपियों ने छात्र को लोहे के हैंगर से भी मारा। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता को नग्न होकर नाचने के लिए भी मजबूर किया। पाँच छात्रों, स्कूल प्रिंसिपल और हॉस्टल वार्डन के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। छात्रा के पिता ने शिकायत दर्ज कराई है और बन्नेरघट्टा पुलिस फिलहाल मामले की जाँच कर रही है। इससे पहले, 25 जून को, बेंगलुरु से एक घटना सामने आई थी जहाँ एक नर्सिंग छात्रा के साथ पेइंग गेस्ट (पीजी) के मालिक ने चोरी की बात कबूल करने के बाद कथित तौर पर बलात्कार किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान पीजी के मालिक 35 वर्षीय रवि तेजा रेड्डी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रेड्डी ने 21 वर्षीय युवती के साथ बलात्कार किया, जब उसने उसी पीजी में रहने वाली एक अन्य लड़की से तीन सोने की अंगूठियाँ चुराने की बात स्वीकार की। पीड़िता की शिकायत के बाद, रवि तेजा रेड्डी पर बलात्कार का मामला दर्ज कर पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता, जो आंध्र प्रदेश से नर्सिंग में स्नातक है, घटना से एक हफ्ते पहले ही पीजी में शामिल हुई थी और नौकरी की तलाश कर रही थी। 14 नवंबर, 2023 को, कर्नाटक पुलिस ने एक लेक्चरर को बेंगलुरु में पार्ट-टाइम नौकरी दिलाने के बहाने एक छात्रा का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बेंगलुरु के येलहंका इलाके के एक निजी कॉलेज में लेक्चरर मैडम कुमार के रूप में हुई है। आरोपी छात्रा को पार्ट-टाइम नौकरी दिलाने के बहाने एमजी रोड स्थित एक होटल में ले गया था। पीड़िता ने नेकनीयती से आरोपी से नौकरी में मदद मांगी थी।

धर्म परिवर्तन करवा हिंदू महिला से किया शादी, तीन गिरफ्तार

यूपी। नोएडा में जबरन धर्म परिवर्तन और निकाह कराने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. थाना फेज-3 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पीड़ित महिला को तमिलनाडु के चेन्नई से बरामद किया है. पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी राजा मियां उर्फ एहसान समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

जानकारी के मुताबिक, पीड़िता गढ़ी चौखंडी निवासी महिला छह वर्षीय बच्चे की मां है. आरोप है कि राजा मियां ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया और उससे निकाह कर लिया. महिला का नाम बदलकर खुशबू खातून रख दिया गया. पीड़िता की मां ने बेटी को बरामद कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसके बाद नोएडा पुलिस ने महिला को तमिलनाडु के चेन्नई से बरामद किया. मामले में खुलासा हुआ कि पीड़िता प्रिया शर्मा का अपने पति शिवम शर्मा से तलाक नहीं हुआ था. आरोपी ने पीड़िता को प्रेमजाल में फंसा लिया और धर्म परिवर्तन करवा दिया. आरोप है कि धर्म परिवर्तन कराने के लिए आरोपी राजा मियां की मां ने खुद को प्रिया की फर्जी फूफी बताया और उसका भाई प्रिया का फर्जी भाई बन गया. निकाह के लिए काजी की मदद से कूटचित्र निकाहनामा भी तैयार किया गया. चौकी इंचार्ज गढ़ी चौखंडी योगेंद्र सिंह की तहरीर पर राजा मियां, उसके पिता, मां, भाई और काजी समेत पांच लोगों के खिलाफ थाना फेज 3 में मुकदमा दर्ज किया गया है और तीन आरोपी राजा मियां उसके पिता और उसकी मां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

तेज रफ्तार डंपर ने 75 वर्षीय पैदल यात्री को मारी टक्कर

ठाणे। मंगलवार को डोंबिवली में एक तेज रफ्तार

डम्पर की चपेट में आने से 75 वर्षीय पैदल यात्री महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान डोंबिवली (पूर्व) के छेड़ा रोड निवासी तृप्ति म्हसकर के रूप में हुई है, जहां वह अपने परिवार के साथ रहती थी। यह घटना छेड़ा रोड पर उस समय हुई जब म्हसकर पैदल बाजार जा रही थीं। बताया जा रहा है कि केडीएमसी के ठेकेदार का डम्पर सावरकर रोड से आ रहा था और लापरवाही से चलाया जा रहा था, तभी उसने पीछे से उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीर घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें खून से लथपथ पाया। उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डोंबिवली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश जुवादवाड़ ने कहा, हमने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और मोटर वाहन अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है।

हत्या की साजिश नाकाम, काला जठेड़ी गिरोह के 2 सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने बुधवार को बताया कि नरेला में एक विवाद को लेकर एक प्रतिद्वंदी की हत्या की साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया। उन्होंने काला जठेड़ी गिरोह के दो साथियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार बरामद किए। 5 सितंबर को, स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली कि नरेला की प्रेम कॉलोनी में एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के मालिकाना हक को लेकर चल रहे विवाद में एक व्यक्ति को निशाना बनाने की साजिश रची जा रही है। सूचना के आधार पर, पुलिस ने सबोली बॉर्डर के पास जाल बिछाया

और मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को पकड़ा। जांच के दौरान, पुलिस ने उनके पास से एक देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किए। आरोपियों की पहचान अक्षत खत्री (20) उर्फ ??अक्षु और साहिल खत्री (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया और नरेला थाने में उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान, साहिल ने खुलासा किया कि उसने जेल में बंद गैंगस्टर अक्षय पलाड़ा के साथियों के ज़रिए कारतूसों सहित एक अत्याधुनिक .30 बोर की पिस्तौल खरीदी थी।

छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में युवक को नंगा कर पीटा गया

उत्तरप्रदेश। मेरठ के टीपी नगर में बीए की एक छात्रा के साथ एक व्यक्ति ने छेड़छाड़ की और उसे धमकाया, उसका रास्ता रोककर उसे बात करने के लिए मजबूर किया। बताया जा रहा है कि आरोपी उसी इलाके का रहने वाला है।

छात्रा के किसी तरह बचकर घर पहुंचने पर उसके पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में छेड़छाड़ करने वाले को लोगों की भीड़ द्वारा पीटा जा रहा है। छात्रा के पिता के अनुसार, घटना सोमवार दोपहर (8 सितंबर) बीके स्कूल के पास हुई। छात्रा, जो अन्य छात्रों के साथ घर लौट रही थी, उस व्यक्ति ने उसे रोक लिया। जब उसने उसके विरोध का विरोध किया, तो उसने कथित तौर पर उसे पीटा और धमकाया, उसे खींचते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अब आरोपी की तलाश कर रही है।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने पुष्टि की है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और अधिकारी अधिक जानकारी जुटाने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रहे हैं। घटना का एक व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो, जो अब वायरल हो गया है, नई बस्ती कॉलोनी में आरोपी को घेरे हुए एक बड़ी भीड़ को दिखाता है। वीडियो में, वह व्यक्ति बिना शर्ट के है और उसकी बेल्ट उसकी पतलून से लटकी हुई है। कई महिलाएँ उसके बाल खींचती और उसे खरोंचती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि एक आदमी उसे मारते और उसकी शर्ट उतारते हुए भी दिखाई दे रहा है।

13 साल बाद दोहरे हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सात राज्यों में 20,000 किलोमीटर से ज़्यादा की तलाश के बाद, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में दोहरे हत्याकांड में वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। वह 13 साल से फरार था। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान ललन कुमार उर्फ ललनवा (33) के रूप में हुई है, जो बिहार के मधेपुरा का रहने वाला है और 2012 में एक ट्रक ड्राइवर और उसके हेल्पर की हत्या का मुख्य साजिशकर्ता था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पूर्व) हेमंत तिवारी ने बताया कि आरोपी पर एक लाख रुपये का इनाम था और दिसंबर 2012 में दिल्ली की एक अदालत ने उसे भगोड़ा भी घोषित किया था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साई प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)